आई एस ओ.9001 2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 16 अंक 255 ● कटनी ● बुधवार, 19 अक्टूबर, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-10 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

शोपियां एनकाउंटर में मारा गया हाइब्रिड आतंकी इमरान बशीर

श्रीनगर, ईएमएस। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में एक ग्रेनेड हमले में दो मजदूरों की मौत के बाद गिरफ्तार किया गया एक हाइब्रिड आतंकवादी इमरान बशीर भी मारा गया है। बशीर की मौत एनकाउंटर के दौरान अपनी साथी की गोली लगने से हुई है। शोपियां के नौगाम इलाके में आम नागरिकों की हत्या के बाद आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई।

कश्मीरी जर्नलिस्ट को दिल्ली एयरपोर्ट पर दूसरी बार रोका

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलित्जर पुरस्कार विजेता और कश्मीरी फोटो जर्नलिस्ट सना इरशाद मट्टू को मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक दिया गया। जर्नलिस्ट सना इरशाद पुलित्जर पुरस्कार लेने न्यूयॉर्क जा रही थीं। उन्होंने कहा कि वैलिड यूएस वीजा और टिकट होने के बावजूद दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (ढ्ढत्नढ्ढ) एयरपोर्ट पर रोका गया। ये दूसरी बार है जब उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक गया है।

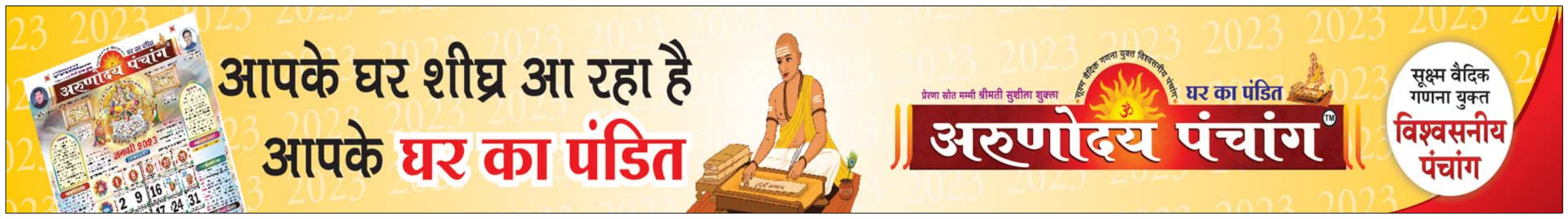

गांधीनगर में स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की लॉन्चिंग क्लास में बच्चों के साथ बैठे दिखे पीएम

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19-20 अक्टूबर तक गुजरात के दौरे पर हैं। दौरे की शुरुआत पीएम मोदी ने महात्मा मंदिर, गांधीनगर में Def Expo22 का उद्घाटन से की। इसके बाद अडालज में मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी स्कूल में बच्चों संग क्लासरूम में बैठे दिखे। जब पीएम मोदी का काफिला स्कूल पहुंचा तो प्रधानमंत्री का फूल बरसा कर स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अब शिक्षा व्यवस्था स्मार्ट हुई है और गुजरात की शिक्षा व्यवस्था सुधरी है। मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ करने के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दो दशक में गुजरात में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। 20 साल पहले 100 में से 20 बच्चे स्कूल ही नहीं जाते थे। यानी पांचवां हिस्सा शिक्षा से बाहर रह जाता था। जो बच्चे स्कूल जाते थे, उनमें से बहुत सारे आठवीं तक पहुंचते ही स्कूल छोड़ देते थे. उसमें भी दुर्भाग्य यह था कि बेटियों की स्थिति तो और खराब थी. पहले बेटियों को स्कूल नहीं भेजा जाता था।

गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो-22 का उद्घाटन किया

इससे पहले पीएम ने गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो-22 का उद्घाटन किया। साथ ही उत्तरी गुजरात के दीसा में वायु सेना की 52वीं विंग के नए एयरबेस की आधारशिला रखी। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि ये देश का ऐसा पहला डिफेंस एक्सपो है जिसमें केवल भारतीय कंपनियां ही भाग ले रही हैं। केवल मेड इन इंडिया रक्षा उपकरण ही शामिल हुए हैं। डिफेंस एक्सपो-22 के 12वें एडिशन के दौरान मोदी ने कहा कि डिफेंस फोर्सेस ऐसी 101 चीजों की लिस्ट जारी करेंगे जिनका आयात बैन कर दिया जाएगा। इनके साथ 411 डिफेंस गुड्स केवल लोकल लेवल पर ही खरीदे जा सकेंगे। पीएम ने डिफेंस एक्सपो में ॥ञ्झ्र-40 का अनावरण किया। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी HAL ने एयरफोर्स के लिए HTT-40 ट्रेनर एयरक्राफ्ट बनाया है। एयरफोर्स को करीब 106 ट्रेनर एयरक्राफ्ट चाहिए। एयरफोर्स के पास अभी ट्रेनर एयरक्राफ्ट की संख्या 260 है, जबकि स्वीकृत संख्या 388 है। एयरफोर्स के पास ट्रेनर एयरक्राफ्ट के तौर पर 75 एयरक्राफ्ट पीसी-7 मार्क-2 बेसिक ट्रेनर हैं। 86 किरण मार्क-1 और मार्क 1 ए हैं जो इंटमीडिएट जेट ट्रेनर हैं।

24 साल बाद गैर गांधी, खड़गे अध्यक्ष

खड़गे को मिले 7897 वोट, थुरूर को 1072, सात हजार वोटों से हराया

राहुल बोले कांग्रेस अकेली पार्टी जहां चुनाव होते हैं।

लगे गड़बड़ियों के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी को 24 साल बाद नया अध्यक्ष मिल गया है। चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे ने शशि थरूर को करीब सात हजार वोट से हरा दिया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, खड़गे को 7 हजार 897 वोट मिले। वहीं, शशि थरूर को एक हजार 72 वोट ही मिल सके। 416 वोट रिजेक्ट कर दिए गए। हालांकि, वोटों की गिनती के बीच ही राहुल गांधी ने बता दिया था कि पार्टी का नया अध्यक्ष कौन होगा। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल ने बुधवार को आंध्र में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान जब मीडिया ने कांग्रेस में उनके भावी रोल पर सवाल किया तो राहुल ने जवाब दिया- खड़गेजी से पूछो, वही तय करेंगे मेरा रोल। हालांकि, इस बयान के कुछ मिनटों बाद ही कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर खड़गे के अध्यक्ष बनने का ऐलान कर दिया। थरूर ने भी ट्वीट कर खड़गे को बधाई दी और अपना साथ देने वालों को धन्यवाद कहा।

भारत जोड़ो यात्रा में आंध्र प्रदेश पहुंचे राहुल गांधी ने कहा, च्कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें इलेक्शन होता है और उसका अपना इलेक्शन कमीशन है। मैंने कांग्रेस इलेक्शन कमेटी के चेयरमैन मधुसूदन मिस्त्री के साथ काम किया। वे काफी स्पष्ट वक्ता हैं। सारे मसले उनकी नजर में लाए गए हैं और वही एक्शन लेंगे। हर कोई कांग्रेस में चुनाव के बारे में पूछता है। मुझे कांग्रेस पर फख्र है, जिसमें ओपन और ट्रांसपेरेंट चुनाव हो रहे हैं। कोई दूसरी पार्टियों के भीतर चुनाव में इंट्रेस्ट क्यों नहीं लेता, चाहे वो भाजपा हो या दूसरी क्षेत्रीय पार्टियां? काउंटिंग के दौरान थरूर के चीफ इलेक्शन कैंपेनर सलमान सोज ने उत्तर प्रदेश, पंजाब और तेलंगाना में वोटिंग से पहले, पोलिंग के दौरान और मतदान के बाद गड़बड़ियों का आरोप लगाया। सोज ने कहा- हमने इस बारे में पार्टी के चुनाव प्रभारी मधुसूदन मिस्त्री को बता दिया है। इस चुनाव में जीत के साथ ही खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाला 65वें नेता बन गए हैं। वे कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले दूसरे दलित नेता हैं। बाबू जगजीवनराम कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले पहले दलित नेता थे। आजादी के बाद 75 साल में से 42 साल तक पार्टी की कमान गांधी परिवार के पास रही। वहीं, 33 साल पार्टी अध्यक्ष की बागडोर गांधी परिवार से अलग नेताओं के पास रही।कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए आखिरी बार साल 1998 में वोटिंग हुई थी। तब सोनिया गांधी के सामने जितेंद्र प्रसाद थे। सोनिया गांधी को करीब 7,448 वोट मिले, जबकि जितेंद्र प्रसाद 94 वोटों पर ही सिमट गए। सोनिया गांधी के अध्यक्ष बनने के बाद से गांधी परिवार को कभी कोई चुनौती नहीं मिली। इस बार राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने से इनकार करने के बाद पार्टी में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने का फैसला लिया

मुख्यमंत्री ने इंदौर एडीएम को हटाया

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश में बढ़ते अपराधों को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को लॉ एंड ऑर्डर को लेकर महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। जिसमें भोपाल, इंदौर, बैतूल, गुना में हुई घटनाओं का संज्ञान लिया। इस बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी और पुलिस कमिश्नर को सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहें। इस बैठक के दौरान सीएम शिवराज ने इंदौर एडीएम पवन जैन को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि एडीएम में जनसुनवाई के दौरान दिग्वयांग के साथ संवेदनहीन रवैया रखा। सीएम ने पवन जैन को वल्लभ भवन में पदस्थ करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार कलेक्टर ऑफिस में सुनवाई में सोनू पाठक नामक दिव्यांग पुहंचा था और वो अपने दादाजी का मकान अपने नाम कराने के लिए चक्कर काट रहा था। जनसुनवाई में पवन जैन के सामने पहुंचे उन्होंने अपने कागज और मोबाइल टेबल रखा तभी उसका मोबाइल खुल गया और उसका एक हिस्सा उछलकर पवन जैन के मुंह पर लग गया था। जिसके बाद एडीएम जैन ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और अपशब्दों का प्रयोग किया। गार्डों ने भी सोनू को कक्ष के बाहर कर दिया था। इस घटनाक्रम की जानकारी मिलने के बाद सीएम शिवराज ने कहा कि अफसरों का ऐसा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वहीं भोपाल में भी एक अजीबोगरीब मामला सामने आया था। जहां कोहेफिजा इलाके की एक महिला ने अपने पति पर 50 लाख रुपए दहेज नहीं देने पर वाइफ स्वैपिंग करने को लेकर एफआईआर कराई। पीड़िता की शादी जून 2022 में बीकानेर के फाइव स्टार होटल के मैनेजर से हुई थी। मैनेजर पत्नी पर घर बनाने के लिए 50 लाख रुपये लाने के लिए दबाव बना रहा था।

हनीट्रैप मामले में अब ED का हस्तक्षेप

14 को भेजा नोटिस, रडार पर कई बड़े नेता और अधिकारी

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश का बहुचर्चित हनीट्रैप मामला काफी सुर्खियों में रहा है। ऐस में हनीट्रैप में पहली बार केंद्रीय जांच एजेंसी ने दखल दी है। अब ईडी ने हनीट्रैप मामले की जांच शुरू कर दी है। ईडी ने हनीट्रैप से जुड़े 14 लोगों को नोटिस जारी किया है। और अब उनसे दिल्ली में पूछताछ की जाएगी।जानकारी के अनुसार ईडी ने मामले में आरोपी रही श्वेता जैन, आरती दयाल, श्वेता स्वपनिल जैन, बरखा भटनागर समेत अन्य लोगों को नोटिस भेजा है। और इन सभी को अलग अलग तारीखों में पूछताछ के लिए दिल्ली मुख्यालय बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि ईडी की रडार पर एमपी 40 बड़े अफसर और सफेदपोश नेता हैं, जिनका नाम एसआईटी की जांच में सामने आया था। दरअसल 17 सितंबर को इंदौर जिला नगर निगम में कार्यरत इंजीनियर हरभजन सिंह ने पलासिया थाने में खुद को ब्लैकमेल किए जाने की एफआईआर दर्ज कराई थी। तो उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं था कि यह मामला इतना बड़ा बन सकता है। लेकिम अब प्रदेश में फैली हनीट्रैप मामले की कहानियां उजागर होना शुरू हुई हैं। इस एफआईआर में हरभजन सिंह ने दावा किया था कि उन्हें 29 वर्षीय आरती दयाल नाम की एक महिला द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था।

NCR में फिर निर्भयाकांड

गाजियाबाद्र ईएमएस। दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर निर्भयाकांड जैसी वारदात को अंजाम दिया गया है। संपत्ति विवाद में दिल्ली की एक महिला को अगवा किया गया और गाजियाबाद में 2 दिन तक उसके साथ गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने अमानवीयता की हदें पार करते हुए पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स में लोहे की रॉड भी डाल दी। महिला की हालत गंभीर है और अस्पताल में भर्ती है। 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गाजियाबाद के नंदग्राम थानाक्षेत्र में वारदात को अंजाम दिया गया। पांच आरोपियों ने दो दिन तक उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपियों ने महिला के गुप्तांगों में लोहे की रॉड भी डाली। इसके बाद पीड़िता को अधमरी हालत में आश्रम रोड के पास फेंक कर फरार हो गए। यूपी-112 से थाना पुलिस को इसकी सूचना मिली तो पुलिस ने अस्पताल भेजा। पीड़िता का दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसपी सिटी का कहना है कि महिला दिल्ली के नंदनगरी की रहने वाली है। वह नंदग्राम क्षेत्र में अपने भाई के यहां आई थी। वापस लौटते समय कुछ लोगों ने उन्हें उठा लिया।

पति के सामने अधिकारी ने की पत्नी से शर्मनाक बात

मेरे साथ 2 दिन बिता लो तो नहीं देनी पड़ेगी रिश्वत

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में पदस्थ सहायक खनिज अधिकारी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा। जब महिला 25 हजार रुपये रिश्वत के साथ अधिकारी के पास पहुंची तो अधिकारी ने उससे बड़ी शर्मनाक बात कह डाली। अधिकारी ने कहा कि मेरे साथ 2 दिन बिता लो तो तुम्हें रिश्वत के पैसे नहीं देने पड़ेंगे। इस मामले को लेकर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। दरअसल मंगलवार को आरोपी खनिज अधिकारी लुणावत की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। इस मामले में रतलाम न्यायालय की न्यायाधीश ज्योति राठौर ने जेल भेजने के आदेश जारी किया है। महिला ने आरोपी सहायक खनिज अधिकारी के खिलाफ रतलाम में छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया था। जिसके बाद रतलाम पुलिस ने आरोपी लुणावत के खिलाफ 19 मई को केस दर्ज किया था। उक्त प्रकरण का चालान मंगलवार को प्रस्तुत होने के बाद जमानत के लिए पहुंचे सहायक खनिज अधिकारी को न्यायाधीश ने आवेदन निरस्त कर जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। जानकारी के अनुसार यह घटना मार्च 2022 की बताई जा रही है। आरोपी लुणावत ने महिला को रिश्वत के 25 हजार रुपए के साथ बुलाया था। इस पर वह रतलाम के एक मंदिर के पास पहुंची थी। इस दौरान महिला पति व बच्चे के साथ कार में थी। वहीं लुणावत ने महिला के पति को पानी की बोतल लेने भेजा। फिर उसके जाते ही महिला को कहा कि मेरे साथ 2 दिन बिता लोगी तो 25 हजार रुपये नहीं लूंगा। बता दें कि आरोपी अधिकारी की इस बात पर महिला रोने लगी। और तभी उसके पति आ गए और कारण पूछा। इस बीच लुणावत ने महिला का हाथ पकड़ा और पीठ थपथपाकर पति को कहा कि तुम्हारी पत्नी को मेरे पास छोडकर चले जाओ तो आगे से पैसे की जरूरत नहीं पड़ेगी। अधिकारी की इस बात को सुनने के बाद ही पति और पत्नी को गुस्सा आ गया और दोनों ही वहां से चले गए थे।

D-11122-22

एक साथ सजी 5 चिताएं, नम आंखों से ग्रामीणों ने दी विदाई

गमगीन व शोकपूर्ण माहौल में हुआ पांचों बच्चों का एक साथ अंतिम संस्कार

कटनी, यशभारत। दिवाली पर्व की तैयारियां कर रहे देवरा गांव के किसान परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सोमवार रात और मंगलवार को बच्चों के शव जब नदी से बाहर निकाले गए तो चीख मच गई। दो घरों के चिराग बुझ गए तो किसी घर में बहन अपने भाई की लौटने की आस में बैठी रही। लोग बच्चों के सकुशल लौटने की आस में नदी घाट पर जमे रहे। नदी से एक के बाद एक पांचों बच्चों के शव निकले तो बच्चों के सकुशल लौटने की उम्मीदें ध्वस्त हो गईं, गांव में मातम छा गया। जिला अस्पताल से पोस्टमार्टम के बाद एम्बुलेंस गांव में दाखिल हुई तो परिजन विलाप करते हुए सड़क पर आ गए। मां अपने कलेजे के टुकड़ों को सीने से लगाकर बिलखने लगीं। ग्रामीण उन्हें ढांढ़स बंधाते रहे। पुलिस ने अंतिम संसकार के लिए शव सौंपने के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को जब एक साथ पांच अर्थियां उठीं तो वहां मौजूद सभी की आंखें नम हो गईं।

झलकियों में घटना पर एक नजर

- घटनास्थल गांव से तीन किलोमीटर दूर था, रात के अंधेरे में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी खेतों की पगडंडियों से होकर नदी घाट पहुंचे।
- एक बालक का शव एंबुलेंस नहीं पहुंचने से ट्रैक्टर से मुख्य मार्ग तक ले जाया गया। फिर डायल 100 वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया।
- अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू कार्य देर से शुरू हुआ, खेतों के बीच से होकर लाइन में तार डालकर की गई प्रकाश की व्यवस्था।
- मोटरबोट के लिए ईंधन कम पड़ गया। जबलपुर से आई टीम के उपकरणों में ऑयल व पेट्रोल नहीं था, पुलिस ने किया इंतजाम।
- जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम में लेटलतीफी हुई। दोपहर 12 बजे के बाद पीएम शुरू हुआ। लेटलतीफी की जानकारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कलेक्टर को दी।
- विधायक संदीप जायसवाल ने विधायक निधि से 10-10 हजार रुपए की आर्थिक मदद की।
- ग्राम पंचायत ने अंत्येष्टि के लिए 5-5 हजार रुपए मृतकों के परिजन को दिए।
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा ने ट्वीट कर जताया शोक।

एक साथ मनाते थे जन्मदिन, इसलिए अंतिम संस्कार भी हुआ एक साथ

पांचों दोस्त एक साथ अपना जन्मदिन मनाते थे। वे पिछले तीन साल से नदी घाट पर ही जन्मदिन मनाने जाते थे। सोमवार को जन्मदिन की पार्टी के दौरान पांचों दोस्तों की नदी में डूबने से मौत हो गई। पहले परिजन अलग-अलग अंतिम संस्कार करना चाहते थे। फिर निर्णय लिया गया कि पांचों बच्चों का एक साथ निधन हुआ है, इसलिए अंतिम संस्कार भी एक साथ किया जाए। चंदीदाई के समीप पुराने मुक्तिधाम में एक साथ पांचों का अंतिम संस्कार किया गया।

नाराज होकर लौट आया था अमन

पांचों बच्चों के साथ एक अन्य दोस्त अमन पिता सोनू विश्वकर्मा भी जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में उसने अपने दोस्तों से कहा कि नदी की बजाय गांव के समीप तालाब में चलते हैं, वे नहीं माने। इस पर से अमन नाराज हो गया और अपने दोस्तो को छोड़कर मौत की डगर से वापस घर लौट आया।

रेस्क्यू में इनकी रही भूमिका

नदी में बच्चों के डूबने की खबर मिलते ही होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट राजेश शर्मा एसडीआरएफ की टीम के साथ रात 9 बजे देवरा नदी के गर्रा घाट पहुंचे। गोताखोरों ने रेस्क्यू शुरू किया। आर पी त्रिपाठी सीडीआई, विकास शर्मा, होमगार्ड सैनिक रामराज सिंह, राजेश दहायत, विवेक विश्वकर्मा, मदन तिवारी, हरवन्स सिंह, सैनिक अक्षय पाण्डे, अभिषेक दुबे, ललित सिंह, विपिन खरे, सचिन दुबे ने रातभर रेस्क्यू किया। टीम ने नदी से तीन शव तलाशे। रात में ढाई बजे देवरा जबलपुर एसडीआरएफ की टीम कंपनी कमांडर संतोष कुमार के नेतृत्व में पहुंची। प्रधान आरक्षक पुखराज, रामदीन रावत, ध्यानेश्वर रैकवार, सैनिक राहुल मिश्रा, सुनील, जितेंद्र परस्ते, आकाश ठाकुर, मुदित रजक ने लगभग छह घंटे तक रेस्क्यू किया और नदी से बच्चों के दो शव तलाशकर निकाले। इस दौरान कई थानों की पुलिस मुस्तैद रही। प्रभारी एएसपी एसडीओपी स्लीमनाबाद मोनिका तिवारी, सीएसपी विजयप्रताप सिंह, विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी विजय सिंह, एनकेजे थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय, रंगनाथ नगर थाना प्रभारी नितिन कमल, बड़वारा से अंकित मिश्रा, कुठला से किशोर कुमार द्विवेदी, झिंझरी चौकी प्रभारी रश्मि सोनकर बल के साथ मौजूद रहीं।

परिजन बेटों के लौटने का करते रहे इंतजार, पहुंचे शव

- 13 वर्षीय अनुज सोनी कक्षा सातवीं का छात्र था। उसकी एक भाई और तीन बहनें हैं। पिता ने बताया कि उन्होंने बेटे को बुआ का बैग पहुंचाने के लिए कहा था लेकिन वह दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाने नदी चला गया। रात में बेटे का शव घर पहुंचा।
- 15 वर्षीय आयुष विश्वकर्मा का जन्मदिन था। उसकी दो बहनें हैं। पिता कमलेश ने बताया कि बेटों को पिकनिक के लिए नदी न जाकर तलाब जाने के लिए कहा था पर वे नहीं माने। शाम को जब घर लौटे तो बेटे के नदी में डूबने की खबर मिली।
- 14 वर्षीय महपाल सिंह कक्षा 9वीं का छात्र था। उसका एक भाई है। महपाल के पिता ब्रजमोहन खेत में जुताई करा रहे थे, शाम को घर लौटे ते बच्चे के नदी में डूबने की खबर मिली। बृजमोहन ने कहा कि पेपर में गैप होने के कारण वह स्कूल नहीं गया था।
- 15 वर्षीय सूर्या पिता सोनेलाल विश्वकर्मा कक्षा 9वीं का छात्र था। दो भाई और दो बहन हैं। पिता सोनेलाल खेती कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। सोमवार को परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा, परिवार की खुशियां सूर्या की मौत से मातम में बदल गईं।
- 15 वर्षीय शाहिल चक्रवर्ती पिता शिवचरण चक्रवर्ती दो भाई और एक बहन थे। शाहिल की मौत से परिजन बदहवास हैं। बहन भी अपने भाई के लौटने का इंतजार करती रही थी, पिता शिवचरण भी गुमशुम थे। वे किसी तरह परिवार को ढांढ़स बंधाते रहे।

दीपावली पर सजा बाजार आफर की है भरमार

इलेक्ट्रॉनिक बाजार म ग्राहकों को लुभाने के लिए तमाम कैशबैक ऑफर

कटनी, यशभारत। दीपावली को लेकर बाजार गुलजार हो गया है। लोगों ने खरीदारी भी शुरू कर दी है। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियों की तरफ से कैशबैक ऑफर व फाइनेंस की सुविधा दी जा रही है। ग्राहक टीवी, फ्रिज से लेकर एसी, कूलर की खरीदारी कर रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक इस बार पिछले साल की अपेक्षा दोगुना कारोबार होने की उम्मीद है।

बाजार में रौनक से दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान भी आ गई है। पिछले दो साल कोरोना के चलते इलेक्ट्रॉनिक बाजार में मंदी छाई थी। त्योहारी सीजन में भी बाजार में सन्नाटा पसरा था। इससे कारोबारियों को काफी नुकसान हुआ, मगर इस बार मंदी के बादल छंट चुके हैं। आस्था के आगे महंगाई घुटने टेक रही है। दीपावली की खरीदारी को लेकर लोगों में उत्सुकता है। पिछले साल की बात करें तो कारोबारियों के मुताबिक पांच करोड़ के आसपास दीपावली के सीजन में कारोबार हुआ था। मगर इस बार इसके दोगुना होने की उम्मीद है। टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, कूलर, एसी, पंखे के अलावा मोबाइल समेत अन्य सामानों की खरीद लोगों ने करनी शुरू कर दी है। कुछ लोग धनतेरस पर फ्रिज, मोबाइल समेत अन्य सामान खरीदने के लिए बुकिंग भी करा रहे हैं। ग्राहकों को लुभाने के लिए बड़े स्क्रीन के एलसीडी रखे गए हैं तो प्रोडक्ट से संबंधित जानकारी के लिए कर्मचारी लगाए गए हैं। ग्राहकों के लिए 10 हजार से अधिक का सामान लेने पर आकर्षक उपहार देने की योजना रखी गई है। इलेक्ट्रॉनिक सामान पर पांच प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की छूट है। 20 प्रतिशत तक कैशबैक ऑफर और फाइनेंस की सुविधा भी दी जा रही है। दुकान में कई प्रोडक्ट ऑनलाइन खरीदारी की दर या उससे कम पर उपलब्ध हैं।

इस बार अच्छा कारोबार होने की उम्मीद

व्यापारी कहते हैं कि दो साल से कोरोना के चलते त्योहार पर नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार त्योहार पर अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। मोबाइल, टीवी, फ्रिज, एलसीडी, कूलर, एसी समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी पर कैशबैक ऑफर और फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध है। धनतेरस वाले दिन बाजार में चहल-पहल और बढ़ने की उम्मीद है।

कार्तिक महीने में धर्म-कर्म के साथ ही खान-पान का भी रखें ध्यान

कटनी, यशभारत। हिन्दी पंचांग का आठवां महीना कार्तिक चल रहा है, इस महीने में दीपावली, छठ पूजा, देवउठनी एकादशी जैसे उत्सव मनाए जाते हैं। कार्तिक मास से मौसम में ठंड बढ़ने लग जाती है। ठंड के दिनों में धर्म-कर्म के साथ ही खान-पान के संबंध में विशेष सतर्कता रखनी चाहिए। सेहत सही रहेगी, तभी हम उत्सवों का आनंद ले पाते हैं। इन दिनों में किए गए जप-ध्यान से एकाग्रता बढ़ती है। ज्योतिषाचार्य के मुताबिक जब ऋतु परिवर्तन का समय रहता है तो खान-पान के संबंध में की गई लापरवाही बीमार कर सकती है। अभी वर्षा ऋतु के जाने के बाद शीत ऋतु की शुरुआत हो रही है। इन दिनों में खान-पान में ऐसी चीजें शामिल करें, जिनकी तासीर गर्म होती है और ठंड के दिनों में हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करती है। इन दिनों में गर्म दूध का सेवन करें। मौसमी फल खाएं। सूखे मेवों का सेवन करें। गर्म सूप पिएं। रोज सुबह जल्दी उठकर जप-ध्यान करें। 22 अक्टूबर से पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। इस बार दीपावली (24 अक्टूबर) के अगले दिन सूर्य ग्रहण (25 अक्टूबर) होने की वजह से गोवर्धन पर्वत की पूजा 26 तारीख को की जाएगी। 27 तारीख को भाई दूज मनाई जाएगी।

कटनी की प्रथम अत्याधुनिक
32-96 स्लाइस की मशीन
एडवांस्ड
सिटी स्कैन एवं एक्सरे सेन्टर
शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ. अशोक चौदहा की क्लीनिक के सामने
आधुनिक टेक्नालाजी अपनाएं, बेहतर रिजल्ट पाएं
जालपा वार्ड, घंटाघर रोड, कटनी
9893723087,8319994375, 8103404843 फोन 07622-494511

JOHNSON
Not just tiles, Lifestyles.
सभी प्रकार के ग्रेनाईट टाईल्स, इटेलियन मार्बल, सिन्क, कोटा, कड़प्पा पत्थर होलसेल रेट पर मिलने का एकमात्र स्थान
समर्थ
मार्बल एण्ड ग्रेनाईट
पता- जॉकी शोरूम के पास में कटनी-जबलपुर रोड, बरगवां, मो. 9425153498, 7067666668

श्री SHRI HOSPITAL KATNI
डॉ.दीपक सक्सेना
डॉ.शोभना सक्सेना
विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञ द्वारा दांतों के सभी प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
डॉ. शोभित प्यासी
बी.डी.एस./एम.डी.एस.
रूट कैनाल विशेषज्ञ
डॉ. उपासना स्थापक
बी.डी.एस./एम.डी.एस.
पाइरिया एवं इम्पलांट विशेषज्ञ
संपर्क करें: श्री हॉस्पिटल एम०एम० चौबे वार्ड बरगवां कटनी
9425325316, 9425151543, 9752414316

लकवा एवं वात रोग विशेषज्ञ
डॉ. देबनाथ
लकवा, वात रोग, गठिया, हड्डियों जोड़ों का दर्द एवं सूजन कमर दर्द, घुटना, कंधा दर्द, सायटिका अर्थराइटिस का इलाज किया जाता है।
पता- शहीद द्वार नई बस्ती, कटनी
मो. 9826154533
नोट-28 वर्षों से आपकी सेवा में उपस्थित।

प्लाट बेचना है
दुबे कालोनी, जागृति कालोनी एवं पीयूष स्कूल के पास में बहुत ही किफायती दामों में प्लाट बेचना है।
संपर्क धर्मेंद्र तिवारी मो.
9827340910

सिटी मॉल बरही रोड में
केवल चार दिनों के लिए
रोजाना 4 शो ता. 21 से
दोपहर 12.30, 3.30, 6.30 एवं रात्रि 9.30 बजे से

गॉडफादर
कलाकार- चिरंजीवी, नयनतारा, सलमान खान, सत्यदेव आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
केवल चार दिनों के लिए
रोजाना 4 शो ता. 21 से
दोपहर 1. 4, 7 एवं रात्रि 10 बजे से

ब्लैक एडम (हिन्दी में)
कलाकार- डवेन जान्शन, जेनिफर हालेंड, सारा आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीठी जिला कटनी

क्र./246/म.पा./पचासैल/ज. पं./2022 — रीठी, दिनांक 17/10/2022

विज्ञप्ति सूचना

जनपद पंचायत रीठी के अंतर्गत आने वाले जनपद पंचायत रीठी के स्वामित्व के निम्नलिखित सिंचाई जलाशयों को मछली पालन हेतु 10 वर्षीय पट्टे पर प्रदान किया जाना है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	जलाशय का नाम	स्वामित्व	विकासखंड	औसत जल क्षेत्र
1.	वसुधा जलाशय	जनपद पंचायत रीठी	रीठी	16.05 हेक्ट.
2.	कुम्हरवारा जलाशय	जनपद पंचायत रीठी	रीठी	13.17 हेक्ट.
3.	अहिरगवां जलाशय	जनपद पंचायत रीठी	रीठी	12.31 हेक्ट.
4.	सिमरा कुदरी जलाशय	जनपद पंचायत रीठी	रीठी	33.07 हेक्ट.
5.	पटौंहा जलाशय	जनपद पंचायत रीठी	रीठी	15.14 हेक्ट.
6.	घिनौंची जलाशय	जनपद पंचायत रीठी	रीठी	14.50 हेक्ट.

उपरोक्त जलाशयों को मछलीपालन पट्टे पर देने हेतु प्राथमिकता क्रम जलाशय क्षेत्र की वंशानुरत मछुआ/अनुसूचित जनजाति/ अनुसचित जाति/पिछड़ा वर्ग/ सामान्य वर्ग की मछुआ सहकारी समितियों का होगा, मछुआ समूह सहकारी समिति पंजीकृत न होने की दशा में इसी प्राथमिकता क्रम में स्व सहायता समूह/मछुआ समूह को मत्स्योद्योग विभाग जिला कटनी से प्राथमिकता क्रम के लिए प्राप्त अनुशंसा पत्र के अनुसार जलाशय आवंटित किए जाएंगे, लेकिन उन्हें एक वर्ष के भीतर मछुआ सहकारी समिति के रूप में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।

अतः जलाशय क्षेत्र के इच्छुक मछुआ सहकारी समितियां/ स्व सहायता समूह/ मछुआ समूह अपना नियमानुसार पूर्ण किए गए आवेदन पत्र दो प्रतियों में दिनांक **18.10.2022 से 01.11.2022** तक कार्यालय जनपद पंचायत रीठी में कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं। जलाशय पट्टे पर देने हेतु शासन द्वारा जारी नवीन नीति निर्देशों का अवलोकन कार्यालयीन समय में किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, रीठी

यदि आप तक समय पर
यश भारत
नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें
फोन :- 230033

यश भारत

नये ज़माने के साथ...

सिटी न्यूज

कटनी, बुधवार, 19 अक्टूबर 2022

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT -Epaper

स्कूलों में नहीं हो पाई अतिथि शिक्षकों की भर्ती

शिक्षकों की कमी के चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहा व्यवधान, स्कूलों में पढ़ाने के बाद नहीं हो रही ज्वाइनिंग, वेतन से वंचित शिक्षक

यश भारत
खबर विशेष

कटनी, यशभारत। एक तरफ स्कूलों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं तो वहीं दूसरी तरफ अतिथि शिक्षकों की भर्ती में भी शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। अंतिम समय सीमा तक जिले की कई स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की भर्ती हीं नहीं हो पाई है, इसके पीछे मुख्य कारण अतिथि शिक्षक पोर्टल का अपडेट नहीं होना बताया जा रहा है। पोर्टल ओपन नहीं होने की समस्या भी सामने आई है। इसके अलावा कई स्कूलों में अतिथि शिक्षकों ने 6-6 महीने काम कर लिया है और अब उनकी ज्वाइनिंग नहीं हो रही है। पोर्टल पर नाम दर्ज नहीं होने के चलते ऐसे शिक्षक ऐन दीपावली पर्व के पहले वेतन से वंचित हैं। इसमे नए शिक्षक भी शामिल हैं, जिन्हें वेतन का भुगतान नहीं हुआ है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले में कई स्कूल ऐसे हैं, जहां कई विषयों के लिए शिक्षक ही नहीं है। कहीं-कहीं एक शिक्षक के भरोसे पूरा स्कूल चल रहा है। विषयों के शिक्षक नहीं होने के कारण स्कूलों की पढ़ाई चौपट हो गई है। इस पूरे मामले में जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों और स्कूलों में पदस्थ शाला प्रमुखों की मनमानी और उदासीनता मुख्य कारण है। जिले की आधा दर्जन से अधिक तहसीलों के अंतर्गत बड़ी संख्या में ऐसे स्कूल हैं, जहां शिक्षकों के कई पर रिक्त हैं और यहां पिछले कई सालों से छात्रों की पढ़ाई अतिथि शिक्षकों द्वारा कराई जा रही है। शासन के नियमानुसार स्कूलों की छात्र संख्या के अनुसार अतिथि शिक्षकों की भर्ती करने के निर्देश है। हर साल की तरह इस साल भी स्कूलो में अतिथि शिक्षकों की भर्ती करने के लिए राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्यक्रम जारी किया गया था। पूरे प्रदेश के साथ ही कटनी जिले में भी बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षकों ने पोर्टल पर रिक्त पदों के अनुसार स्कूलों में आवेदन जमा किए थे। इन आवेदनों की जांच के उपरांत अतिथि शिक्षकों को अध्यापन के लिए नियुक्त भी किया गया, इसके बावजूद कई स्कूल ऐसे हैं, जहां आज भी पद रिक्त हैं और अतिथि शिक्षकों की भर्ती भी नहीं हो पाई। पोर्टल अपडेट नहीं होने के कारण सही-सही जानकारी भी नहीं मिल पाई। जिसके चलते अधिकांश स्कूलों में विषयों के शिक्षकों की पोस्टिंग नहीं हो पाई। अब ऐसी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी और रिजल्ट खराब आने से भी इंकार नहीं किया जा सकता। कई स्कूलों में एक भी अतिथि शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है। कई स्कूल एक ही शिक्षक के भरोसे हैं। अंतिम समय सीमा बीतने के बाद भी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती नहीं की गई। इस वजह से स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र के गांवों में स्थित स्कूलों में मजदूरों और किसानों के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं।

नियमित शिक्षकों को भी वेतन के लाले

इस सबके बीच व्यवसायिक परीक्षा मंडल से चयनित नियमित शिक्षक भी वेतन से वंचित हैं। इस संबंध में जब नियमित शिक्षकों ने वेतन भुगतान के संबंध में पता किया तो यह बात सामने आई कि पोर्टल अपडेट नहीं हुआ है। यह भी नहीं बताया जा रहा है कि पोर्टल कब तक अपडेट होगा। शिक्षा विभाग के अधिकारी बार-बार पोर्टल के अपडेट नहीं होने की बात कहकर अपना झल्ला झाड़ रहे हैं। जिससे शिक्षक ऐन दीवाली के पहले वेतन नहीं मिलने से परेशान हैं। ऐसी स्थिति में इन शिक्षकों की दीवाली फीकी रह सकती है।

इनका कहना है

अतिथि शिक्षक पोर्टल में स्कूलों के रिक्त पदों की जानकारी नहीं मिल पा रही है। इसकी वजह से यह पता नहीं चल पाया कि किन स्कूलों में कितने पद रिक्त हैं। इसके अलावा वर्तमान में शिक्षकों के तबादलों की प्रक्रिया भी चल रही है। इसकी वजह से पोर्टल अपडेट नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से अतिथि शिक्षकों की भर्ती करने में समस्या आई। यदि अतिथि शिक्षकों को रख लेते और उनकी ज्वाइनिंग नहीं होती तो वेतन का भुगतान करने में दिक्कत आती, हालांकि कई स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की भर्ती की गई है।

-पृथ्वीपाल सिंह,
जिला शिक्षा अधिकारी

सालों से जमे पंचायत सचिवों का तबादला

जिला पंचायत सीईओ ने जारी की तबादला सूची

विजयराघवगढ़, यशभारत। जिले के प्रभारी मंत्री से अनुमोदन उपरांत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश चंद्र गोमे ने जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायतों में पदस्थ ग्राम पंचायत सचिवों का प्रशासनिक आधार पर तबादला आदेश जारी किया है। जिसमे 10 पंचायत सचिवों को स्थानांतरित करते हुए नवीन ग्राम पंचायतों में पदस्थ किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश चंद्र गोमे ने स्थानांतरित ग्राम पंचायत सचिव को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल पदभार ग्रहण करने के निर्देश जारी किए थे। जारी किए गए आदेश में हरिशंकर अवस्थी ग्राम पंचायत मुड़ेहरा से ग्राम पंचायत गौरहा, नारायण सिंह ग्राम पंचायत खिरवा नंबर 2 से ग्राम पंचायत कुंदरेही जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, रमेश पांडे ग्राम पंचायत हरदुआकला से ग्राम पंचायत खरखरी जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, मुकेश पयासी ग्राम पंचायत खरखरी से ग्राम पंचायत हरदुआकला जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, राजेश कुमार त्रिपाठी ग्राम पंचायत तिमुआ से ग्राम पंचायत इटौरा जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, रज्जन चौधरी ग्राम पंचायत इटौरा से ग्राम पंचायत तिमुआ जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, अभिषेक बेन ग्राम पंचायत कांटी से ग्राम पंचायत मोहास जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, माया दुबे ग्राम पंचायत जिवारा से ग्राम पंचायत भैंसवाही जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, उमेश राठौर ग्राम पंचायत भैंसवाही से ग्राम पंचायत जिवारा जनपद पंचायत विजयराघवगढ़, मारू पटेल ग्राम पंचायत दुर्जनपुर से ग्राम पंचायत खरखरी नंबर 2 जनपद पंचायत रीठी में पदस्थ किया गया है।

जरूरतमंदों के बीच मनाई दीवाली, बांटी खुशियां

सर्वशक्ति वूमन पावर ग्रुप ने वितरित की आवश्यक सामग्री

कटनी, यशभारत। हर साल की तरह इस साल भी सर्वशक्ति वूमन पावर ग्रुप द्वारा जरूरतमंदों के बीच दीपावली पर्व की खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर ग्रुप की महिला पदाधिकारियों द्वारा लक्ष्मी गणेश जी की मूर्ति, लाई बतासा, नारियल, मिठाई, पटाखे, अगरबत्ती, माचिस, स्टील का तसला, कपड़े आदि सामग्री जरूरतमंदों को वितरित करते हुए पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम की शुरुआत मां जालपा, मां कालका, मां शारदा के तैल चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गई। ग्रुप मेंबर सरिता, वंशिका भाटिया, श्रुति सेठिया, आशा गुप्ता द्वारा पूजा अर्चना की गई, इसके बाद श्री गणेश वंदना, सरस्वती वंदना और गरबा सॉन्ग के साथ सांस्कृतिक समारोह शुरू किया गया, इसके साथ ही खुशियों की दीवाली के साथ दो कार्यक्रम ओर रखे गए थे, जिसमें नवरास गरबा टीम को सम्मानित किया गया, साथ ही नवरास गरबा के टीम मेंबरों का केक कटिंग सेलिब्रेशन किया गया। कार्यक्रम में अंत में सभी ने माता रानी भोग ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। सर्वशक्ति वुमन पावर ग्रुप की सूत्रधार माही तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यम द्वितीया पर होगी कलम, दवात व भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना

कटनी, यशभारत। भगवान चित्रगुप्त सृष्टि में समस्त बौद्धिक कार्यो के आदि प्रणेता, प्राणियों के शुभाशुभ कर्मों की गणना करने वाले देवता है। कायस्थ समाज कटनी द्वारा 27 अक्टूबर को यम द्वितीया के अवसर पर कलम, दवात, भगवान चित्रगुप्त का पूजन अर्चन एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। विगत दिवस जगन्नाथ चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर में चित्रगुप्त सभा की बैठक उपरोक्त निर्णय लिए गए। इस अवसर पर कायस्थ समाज के लोगों ने 27 अक्टूबर को धार्मिक अनुष्ठान पूजन हवन शाम 4 बजे इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन धूमधाम के पूरे विधि विधान पूर्वक करने का निर्णय लिया।

चित्रगुप्त कायस्थ सभा महिला इकाई युवा इकाई ने जिले के सभी कायस्थ बंधुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। बैठक में अनिल खरे, अनादि निगम, प्रीति श्रीवास्तव, नंदिता कर्ण, शिवम निगम, प्रदीप श्रीवास्तव, पंकज निगम, राकेश श्रीवास्तव, आशुतोष वर्मा, विनोद श्रीवास्तव, पी के श्रीवास्तव, हेमंत श्रीवास्तव, रणवीर कर्ण, सोहन लाल श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, प्रवीण सक्सेना, दिनेश निगम एडवोकेट उपस्थित थे।

समय रहते नहीं चेते तो छोटे व्यापारियों का पतन हो जाएगा

अभा अग्रहरि समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उठा मुद्दा

कटनी, यशभारत। अखिल भारतीय अग्रहरि समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की प्रथम बैठक प्रयागराज में आयोजित की गई, जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष विदुप अग्रहरि, राष्ट्रीय महामंत्री कुलभास्कर अग्रहरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध अग्रहरि, राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व मंत्री राधेश्याम गुप्ता, सोमसंद्र गुप्ता, अजय अग्रहरि, दिनेश अग्रहरी, श्याम बाबू अग्रहरी, विधायक विकास अग्रहरी, राष्ट्रीय प्रवक्ता एसपी अग्रहरी, अरुण अग्रहरी, शारदा अग्रहरि की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई, जिसमे कटनी जिले के स्लीमनाबाद के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री अरविंद अग्रहरी को वार्ड मेंबर निर्वाचित होने पर सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान देश के आधा सैकड़ा निर्वाचित उम्मीदवारों को सम्मान पत्र दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विदुप अग्रहरी ने कहा कि समाज के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पिछले 1 वर्षों में हमने समाज को विकसित करने हेतु नए कलेवर में समाज को लाने का प्रयास किया है। डिजिटलाइजेशन बेब के माध्यम से अब अग्रहरी समाज नजर आएगा। उन्होंने कहा कि समाज की जिस राशि को हड़पने की कोशिश की गई है। उस राशि को लाने के लिए यदि सुप्रीम कोर्ट तक भी जाना पड़ा तो हम जाएंगे। पूर्व मंत्री बाबू राधेश्याम अग्रहरी ने समाज को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। विधायक विकास अग्रहरी ने कहा कि समाज किस तरह से विकसित हो, यह हमारा पहला लक्ष्य है। संरक्षक मंडल के सोम चंद्र अग्रहरी ने कहा कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो आने वाले 10 वर्षों में छोटे व्यापारियों का पतन हो जाएगा। कटनी की पुष्पा अग्रहरी, प्रांजलि द्वारा रचित प्राची सिंदूरी आंचल पत्रिका का केंद्रीय मंत्री मंडल के पदाधिकारियों ने विमोचन किया। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष शिव प्रसाद, महामंत्री गुरु प्रसाद अग्रहरि, संतोष अग्रहरि, सत्यनारायण अग्रहरि, श्याम अग्रहरी, एन पी अग्रहरी, अरविंद अग्रहरि पत्रकार, विनीत अग्रहरी, स्वप्निल अग्रहरी, शिव कुमार अग्रहरी, पुष्पा अग्रहरी सहित मप्र, छग, उप्र, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड, झारखंड, पंजाब से बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कुलभास्कर अग्रहरी व आभार प्रदर्शन प्रवक्ता शारदा अग्रहरी द्वारा किया गया।

पूरे देशभर के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान

समाज को नशामुक्त बनाने छात्रों ने लिया संकल्प

उमरियापान, यशभारत। नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को ढीमरखेड़ा पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहरूआ के विद्यार्थियों को जागरूक किया। थाना प्रभारी अरविंद जैन ने छात्रों को नशामुक्ति, साइबर सतकर्ता और सड़क सुरक्षा जागरूकता पर संवाद किया। विद्यार्थियों को नशा न करने और यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई और दूसरे लोगों को जागरूक करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि नशा एक बीमारी है। नशामुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़ेंं ताकि नशामुक्ति का संदेश जन.जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर नशे को खत्म करना है। कई बार लोग अनजाने में साइबर क्राइम कर बैठते हैं या इसका शिकार हो जाते हैं। यदि हम इसके प्रति जागरूक होंगे तभी इससे बच सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि साइबर क्राइम से बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की भी समझाइश दी। सड़क के सबसे बड़े दुश्मन चार, नशा, नींद, रफ्तार और अधिक भार।

ई-रिक्शा की वजह से बाधित हो रहा यातायात

कटनी, यशभारत। शहर के अंदरूनी मार्गों में ई-रिक्शा की वजह से यातायात बाधित हो रहा है। दीपावली पर्व पर जहां पूरे शहर में दुकानें लगी हुई हैं तो वहीं दूसरी ई-रिक्शा के आवागमन की वजह से यातायात अनियंत्रित हो रहा है। लोगों ने थाना तिराहा से सुभाष चौक की ओर ई-रिक्शा के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की है।

Required

An Office Assistant Boy & Girl who must be Graduate, Having the knowledge of English Language, Computer Operations, MS-Excel and Busy Accounting Software. Strictly Only those persons apply who are fulfilling above all critaria to.

M/s RK Dall & Food Products Katni Pvt. Ltd, MadhavnagarKatni Mo. 9827261961
Email - rk.katni@gmail.com

किराये से देना है

सिंगल रूम अटैच 3000 प्रतिव्यक्ति,
22 बाई 50 का हॉल सर्विस वालों एवं ऑफिस,
बैंक, कार्यालय गोदाम के लिए
पता-बीजेपी कार्यालय के सामने, जबलपुर रोड
बरगवां, कटनी (म.प्र.) मो. 8109417340

Tuesday Offer
@99/- Available On
All Seats Except Recliners

CINEWORLDZ
CINEMA KATNI
by CMW

Mittal MALL

Paytm
book my show

From 14th October 2022

TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor, Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

cello सेलो फर्नीचर
एकमात्र अधिकृत वितरक

Auth. Distributor-Cello, Natasha Almirah Almirah, Molded Furniture
विश्वकर्मा फर्नीचर
विश्वकर्मा मार्केट, मधई मंदिर रोड कटनी, फोन- 230557, मो. 9826082251
Email-gopivishwakarma@gmail.com

mgm HOSPITAL
कटनी की पहली और एकमात्र
एम.आर.आई. जाँच सेंटर
एमजीएम हॉस्पिटल में अब सीटी स्कैन के साथ, एमआरआई जाँच की सुविधा उपलब्ध है।
24X7 HELPLINE NUMBER 07622-405070
एम.जी.एम. हॉस्पिटल, कटनी (म.प्र.)
Web- www.mgmhospitalkatni.com, email- info@mgmhospitalkatni.com

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग कटनी (म.प्र.)

E-mail - eepwdkatni@mp.nic.in Phone No. 07622-224277

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 10/व.ले.लि./2022-23/ कटनी, दिनांक 13.10.2022

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अंतर्गत ठेकेदार से राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.12.2020 एवं समस्त संशोधन सहित (भवन) तथा दिनांक 15.09.2022 एवं दिनांक 25.03.2022 (सड़क) कार्य हेतु निविदायें आनलाईन Appendix 2.10 निविदा में आमंत्रित की जाती है बिड सेल आनलाईन https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदायें संबंधित कार्यालय में टेण्डर टाईम शैडयूल के अनुसार खोली जावेगी।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	एस.ओ.आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)	कार्य की अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करनेकी संभावित तिथि
1	2022_PW DRB_22 7004_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	सलैया सिंहुड़ी बरतरा बरतरी पाकर मसंधा बाकल इमलिया मार्ग में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य लंबाई 11.25 कि.मी.।	द्वितीय	105.24	1.05240	12500.00	06माह वर्षा ऋतु रहित
2	2022_PW DRB_22 7005_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	हरदुआ धनौरा विरूहली बिलहरी मार्ग में लंबाई 5.70 कि.मी. कौड़िया चरगवां मार्ग में लंबाई 4.0 कि.मी. कुल 9.70कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।	द्वितीय	74.98	0.74980	10000.00	03 माह वर्षा ऋतु रहित
3	2022_PW DRB_22 7006_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	लोक निर्माण विभाग उप संभाग क्रमांक 2 कटनी के अंतर्गत भमका रोझन, झिन्ना पिपरिया कटरा मार्ग एवं सारंगपुर कटरा मार्ग लंबाई 9.30 कि.मी. में डामरीकरण नवीनीकरण कार्य।	चतुर्थ	82.77	0.82770	10000.00	04 माह वर्षा ऋतु छोड़कर
4	2022_PW DRB_22 7007_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	सिलौड़ी कछारगांव मार्ग कि.मी. 1 से 4 में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी.	चतुर्थ	34.18	0.34180	5000.00	04 माह वर्षा ऋतु छोड़कर
5	2022_PW DRB_22 7008_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	सैलारपुर नवलिया आमगवां, बड़ागांव मार्ग में बी.टी.रिन्यूवल का कार्य लंबाई 6.025 कि.मी. ।	चतुर्थ	48.13	0.48130	5000.00	04 माह वर्षा ऋतु छोड़कर
6	2022_PW DRB_22 7009_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	बड़ागांव करहिया गोदना मोहास, लालपुर पाली मार्ग लंबाई 2.40 कि.मी. एवं बड़गांव पहुंच मार्ग तथा करहिया पहुंच मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. में कुल 4.50 कि. मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।	चतुर्थ	48.80	0.48800	5000.00	04 माह वर्षा ऋतु छोड़कर
7	2022_PW DRB_22 7010_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	मोहला हरदुआ उमरियापान मार्ग लंबाई 2.70 कि.मी.स्लीमनाबाद बंधी सरसवाही सैलारपुर पौनिया मार्ग लंबाई 7.0 कि.मी. बंधी झिर्री मार्ग लंबाई 10.20 कि.मी. में कछारगांव बसेहरा हल्का मार्ग लंबाई 5.0 कि.मी. महनेर पहुंच मार्ग लंबाई 0.60 कि.मी. एवं पौड़ी पहुंच मार्ग लंबाई 1.0 कि.मी. कुल लंबाई 26.50 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।	द्वितीय	261.86	2.61860	15000.00	06 माह वर्षा ऋतु सहित
8	2022_PW DRB_22 7011_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	पिपरौंध निवार देवरीहटाई बड़वारा विजयराघवगढ़ कैमोर मार्ग के कि.मी. 35/4-6-8 में सी.सी. मार्ग मरम्मत का कार्य। अनुबंध क्र. 23/डी.एल./2019-20 के विरूद्ध (बड़वारा बस्ती में)	प्रथम	8.15	0.16300	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
9	2022_PW DRB_22 7012_1	कटनी	15.09.22	भवन कार्य	उपसंभाग क्रमांक 1 कटनी के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम	10.73	0.21460	2000.00	03 माह वर्षा ऋतु सहित
10	2022_PW DRB_22 7207_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	कन्हवारा पटवारा कैलवारा मार्ग में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य लंबाई 3.00 कि.मी.	द्वितीय	24.07	0.24070	5000.00	04 माह वर्षा ऋतु छोड़कर
					योग		698.91			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रूपये 698.91 लाख (छः करोड़ अनठान्नवे लाख इंक्यान्नवे हजार मात्र)

उपरोक्त वेबसाईट में आन लाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 04.11.2022 सायं 17:30 बजे तक निर्धारित है। ई.एम.डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. एवं अन्य दस्तावेज केवल आनलाईन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी का विवरण शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। नोट :- उपरोक्त आमंत्रित समस्त निविदाओं में म.प्र. शासन लोक निर्माण विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ/53/2/2011/यो/19/2822/भोपाल/दिनांक 10 अगस्त 2022 के अनुसार नवीन अतिरिक्त परफारमेंस गारंटी की शर्त लागू।

जी-18242/22

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग कटनी

संपादकीय

इनसान- जानवर का संघर्ष

एक तरफ वन्य जीव खतरे में हैं, तो दूसरी यह भी सच है कि बीते सालों में इंसानों पर जंगली जानवरों के हमलों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस मसले का हल अब जरूरी है। हाल में नामीबिया से चीते भारत लाए गए, तो उनकी खूब चर्चा रही। उन चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां गए। इसके लिए प्रधानमंत्री ने अपने जन्म दिन का विशेष अवसर चुना। जाहिर है, उससे वन्य जीवों के प्रति प्रधानमंत्री के लगाव का संदेश सारे देश को दिया गया। इसीलिए प्रधानमंत्री से यह अपेक्षित है कि वे देश के कई इलाकों में इनसान और जानवरों के बीच बढ़ रहे विरोध पर भी ध्यान दें। अब यह जरूरी हो गया है कि ऐसी विरोध स्थितियों को हल करने के प्रभावी कदम यथाशीघ्र उठाए जाएं। हाल में बिहार में वाल्मिकीनगर टाइगर रिजर्व के एक बाघ के नरभक्षी बनने के बाद सरकार के आदेश पर उसे मार दिए जाने की घटना ने ऐसे टकरावों की तरफ सारे देश का ध्यान खींचा है। इससे वन्य जीव अभयारण्यों के आसपास के इलाकों में बसे लोगों की सुरक्षा का सवाल उठा है और प्रोजेक्ट टाइगर के औचित्य पर भी बहस शुरू हो गई है।

एक तरफ वन्य जीव खतरे में हैं, तो दूसरी यह भी सच है कि बीते सालों में इंसानों पर जंगली जानवरों के हमलों की संख्या बढ़ती जा रही है। वाल्मिकीनगर टाइगर रिजर्व बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है। इसे देश का पांचवां सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व और वन्य जीव अभयारण्य माना जाता है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर प्रजाति के बाघ हैं। यहां से निकले एक बाघ ने सिर्फ सितंबर महीने में ही छह लोगों की जान ले ली। इसके अलावा कई लोग घायल हुए हुए और कई मवेशियों की भी जान गई। इस कारण आसपास के करीब 50 से अधिक गांवों के लोग एक महीने से ज्यादा समय से डर के साये में जी रहे थे। आखिरकार बाघ को नरभक्षी घोषित कर उसे मार दिया गया। बहरहाल, ऐसी समस्या पैदा होने का यह पहला मामला नहीं है। बल्कि कई अन्य अभयारण्यों के पास भी जानवर अक्सर आसपास के रिहायशी इलाकों में घुस जाते हैं।

हंगर बनाम हेडलाइन

भारत ने ताजा ग्लोबल हंगर इंडेक्स पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। उसने ना सिर्फ इसे तैयार करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं, बल्कि इसे भारत को बदनाम करने की कोशिशों का हिस्सा बताया है। भारत सरकार ने कहा है कि ऐसी रिपोर्टों के जरिए दुनिया में यह धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है कि भारत अपनी पूरी आबादी को पोषक भोजन देने में भी नाकाम है। यह बात सच है कि इस इंडेक्स से ऐसी धारणा बनती है। या अगर हाल के वर्षों में इस सूचकांक पर भारत का जो हाल दिखा है, उसके आधार पर यह भी कहा जा सकता है कि इससे यह धारणा और पुख्ता होती गई है। बल्कि न सिर्फ हंगर इंडेक्स, बल्कि विकास के तमाम जारी होने वाले सूचकांकों पर यही तस्वीर दिखती है। उन सबको लेकर मोटे तौर पर भारत सरकार का नजरिया यही रहा कि ऐसे आईने खराब हो चुके हैं। उनमें भारत की तस्वीर खराब नजर आती है, तो दोष आईनों का है- भारत की असली सूरत तो असल में निखरती गई है। ये वो हेडलाइन है, जिसे अपने घरेलू समर्थक वर्ग में मौजूदा सत्ताधारी समूह ने प्रचारित किया है।सत्ताधारी दल को यह मालूम है कि उसकी असली राजनीतिक पूंजी ऐसी ही हेडलाइन्स हैं, जो उसके समर्थक तबकों भारतीय चेहरे को ऐसे मेकअप के साथ पेश करते हैं, जिनसे उनमें यह भरोसा बना हुआ है कि भारत 'विश्व गुरु' बनने की राह पर है। इसलिए भारत सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया ना तो अनपेक्षित और ना ही अस्वाभाविक है। बहरहाल, यह सवाल विचारणीय है कि आखिर दुनिया की तमाम संस्थाओं को अब भारत से क्या दुश्मनी हो गई है कि वे भारत को बदनाम करने की किसी साझा कोशिश का हिस्सा बन जाएंगी?

दीपक संस्कृति की विविधता में एकता

ऊं सच्चिदानन्दरूपाय नमोस्तु परमात्मने।
ज्योतिर्मयस्वरूपाय विष्वमांगल्यमूर्तये।।

मनुष्य ने प्रकाशमान स्वरूप वाले विश्व कल्याण मूर्तिमान के रूप में सच्चिदानन्द अर्थात सत्चित्त और आनंदमयी परमात्मा की कल्पना की है। इस परिप्रेक्ष्य में ऋग्वेद की ऋचाओं में विष्वव्यापी ब्रह्मांड को एक महामानव अर्थात विराट पुरुश माना गया है। इस विराट पुरुश का नृत्य सूर्य है, मन चंद्रमा और उसके कान एवं प्राण वायु है। इसका मुख अग्नि, नाभि अंतरिक्ष, मस्तक द्युलोक और इसके पैर पृथ्वी हैं। इसी अलोकित ब्रह्मांडीय पुरुश से मानव समुदायों का निर्माण माना गया है। अब आधुनिक वैज्ञानिक भी मानने लगे हैं कि ब्रह्मांड के स्वरूप में जो भी कुछ है, उसी का लघु रूप मनुष्य के शरीर और मस्तक में है। इसीलिए मनुष्य ने अनवरत प्रकाशित रहने वाली ऐसी मूर्ति की कल्पना की है, जो मानव कल्याण के लिए प्रकाशमान बनी रहे। हजारों साल से भारत में प्रकाश पर्व के रूप में दीपावली मनाई जा रही है। इस लंबे कालखंड में भारत पर अनेक आक्रमण हुए। तलवार के बूते धर्म और संस्कृति बदलने के उपक्रम किए गए, लेकिन दीपावली के पर्व को रोशन करने वाली दीप संस्कृति इन बदलावों से अछूती रहती हुई आज भी भारत के सांस्कृतिक वैभव को प्रकाशित कर रही है। जिन सांस्कृतिक धरोहरों को आक्रांताओं ने खंडित करके उनके वैभव को हर लिया था, उन धरोहरों अयोध्या के राम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकाल का सांस्कृतिक वैभव लाखों दीपकों के प्रकाश से फिर उज्जवल हो उठा है। कालांतर में इस प्रकाश के विस्तार की किरण कृष्ण जन्मभूमि को भी आलोकित करने वाली है। अतएव इस दीप पर्व पर दीपकों की विपरीत समय में भी अक्षुण्ण बनी रही संस्कृति और उसके महत्व को जानते हैं। दीपावली प्रकाश पर्व है। यानी अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। आदिकाल से चली आ रही सांस्कृतिक यात्रा का यह त्यौहार सामाजिक जीवन में प्रसन्नता, समरसता और मंगल का प्रतीक है। इस कालखण्ड में मानव ने मिट्टी, पत्थर, काठ, मोम और धातुओं के स्वरूप में हजारों तरह के शिल्प में दीपक गढ़े हैं। शुरूआत में दीवाली की मुख्य भावना दीप दान से जुड़ी थी। प्रकाश के इस दान को पुण्य का सबसे बड़ा कर्म माना जाता था। दीपों के कलात्मक आकार में मनुष्य की कल्पना व संवेदनशील उंगलियों का इतिहास भी अंकित है। इस जगत में जीवन जीने के लिए प्रत्येक प्राणी को उजाले की जरूरत पड़ती है। बिना उजाले के वह कोई कार्य सुरुचिपूर्ण ढंग से संपन्न नहीं कर पाता है। वैसे तो सबसे अधिक महत्वपूर्ण व उपयोगी प्रकाश सूर्य का है। इसके प्रकाश में ही अन्य सभी प्रकार के प्रकाश समाविष्ट रहते हैं। इसीलिए दीवाली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है। कहा भी गया है,

शुभं करोति कल्याण आरोग्यं सुख संपदम्।
शत्रु बुद्धि विनाशं च दीपज्योतिः नमोस्तुते।।

शुरूआती दौर में सीपियों का दीपक के रूप में उपयोग किया जाता था। इसमें रोशनी पैदा करने के लिए चर्बी डाली जाती थी और बाती के रूप में घास या कपास की ही बत्ती होती थी। इसके बाद पत्थर

और काठ के दीपक अस्तित्व में आए। तत्पश्चात मिट्टी के दिए बनाए जाने लगे। कुम्हार के चाक की खोज के बाद तो मिट्टी के दीए अनूठे व आकर्षक शिल्पों में अवतरित होने लगे और ये घर-घर आलोक-स्तंभ के रूप में स्थापित हो गए। धातुओं की खोज और उन्हें मनुष्य के लिए उपयोगी बनाए जाने के बाद बड़े लोगों के घरों व महलों की शोभा धातु के दिए बनने लगे। जो वैभव का प्रतीक भी थे। स्वर्ण, कांसा, तांबा, पीतल और लोहे के दीयों का प्रचलन शुरू हुआ। इसमें पीतल के दीपकों को बेहद लोकप्रियता मिली। रामायण और महाभारत में भी 'रत्नदीपों' का उल्लेख देखने को मिलता है। कालांतर में एकमुखी से बहुमुखी दीपक बनाए जाने लगे। इनकी मूठ भी कलात्मक और पकड़ने में सुविधा जनक बनायी जाने लगी। सत्रह-अठारहवीं सदी में दीपकों को अनेक प्रकार के पशु-पक्षियों व अप्सराओं के रूप में ढाला जाने लगा। इस समय 'मयूरा धूप दीपक' का चलन खूब था। इसकी आकृति नाचते हुए मोर की तरह होती है। इसके पंजों के ऊपर बत्ती रखने के लिए पांच कटोरे बने होते हैं। मोर के ऊपर बन छेदों में अगरबत्तियां लगाई जाती हैं।

राजे-रजवाड़े के कालखंड में छत से लटके दीपों का प्रचलन खूब था। ये परी, पशु, पक्षी और देवी-देवताओं की आकृतियों से सजे रहते थे। सांकल से लटके हंस और कबूतरों के पंजों पर तीन से पांच दीपक बनाए जाते थे। कालांतर में दीपकों में नायाब परिवर्तन आए। इस समय गोल लटकने वाले कलात्मक दीपक ज्यादा संख्या में बने इसके अलावा आठ कोनों वाले, गुम्बदाकार व ऐसे ही अन्य प्रकार के दीपक बनाए जाने लगे। इन दीपकों में से रोशनी बाहर झांकती थी।

जब दीपक सैंकड़ों आकार-प्रकारों में सामने आ गए तो इनकी सुचारू रूप से उपयोगिता के लिए 'दीपशास्त्र' भी लिख दिया गया। जिसमें दीपक जलाने के लिए गाय के घी को सबसे ज्यादा उपयोगी बताया गया। घी के विकल्प के रूप में सरसों के तेल का विकल्प दिया गया। कपास से कई प्रकार की बत्तियां बनाने के तरीके भी दीपशास्त्र में सुझाए गए हैं। दीपावली पर देश में घी और सरसों के तेल से ही दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं। लहवीं सदी में तो संगीत के एक राग के रूप में 'दीपक-राग' की भी महत्ता व उपलब्धि है। इस संदर्भ में जनश्रुति है कि संगीत सम्राट तानसेन द्वारा दीपक राग के गाए जाने पर मुगल सम्राट अकबर के दरबार में बिना जलाए दीप जल उठे थे। दीपक-राग के गाने के बाद ही तानसेन को 'संगीत सम्राट' की उपाधि से विभूषित किया गया। उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर परिसर में दीपों के स्तंभ बने हुए हैं, जिन पर सैंकड़ों दीप एक साथ रखकर जलाए जाते हैं।

प्राचीन भारतीय परंपरा में दीपक के दान से बड़ा महत्व जुड़ा है। महाभारत के 'दान-धर्म-पर्व' में दीपदान के फल की महत्ता दैत्य ऋषि शुक्राचार्य ने दैत्यराज बलि को इस प्रकार समझाई है-

कुलोद्योतो विशुद्धात्मा प्रकाशत्वं च गच्छति।
ज्योतिषां चैव सालोक्यं दीपदाता नरः सदा।।

अर्थात, दीपकों का दान करने वाला व्यक्ति अपने वंश को तेजस्वी व समृद्धशाली बनाने वाला होता है और अंत में वह आलोकमयी लोकों को गमन करता है।

रामायणकाल से पूर्व दीपावली का संबंध बलि कथा के संदर्भ में ही मान्य तथा प्रचलन में था। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को 'बलि प्रतिपदा' भी कहते हैं। इस दिन बलि महाराज की अर्चना भी की जाती है। राजा बलि अपने राज्य में चतुर्दशी से तीन दिन चलते हैं और तीनों दिन दीपदान भी करते हैं। बलि के इस दीपदान से ही इस उत्सव को दीपावली कहा गया है। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में अपने वंश की समृद्धि के लिए ही प्रतिदिन गंगा की संध्या आरती के समय बड़ी संख्या में दीपदान किए जाते हैं। ऐसा ही वाराणसी के गंगा घाट पर होता है।

प्राचीन भारत में मनुष्य के सभ्य व संस्कारजन्य होने के अनुक्रम में दीपक का महत्व हर एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से जुड़ता चला गया। प्रयोजन के अनुसार ही इनका नामांकन हुआ। दीपावली पर जो दीप आकाश में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर टांगा जाने लगा उसे 'आशा-दीप', स्वयंवर के समय जलाए जाने वाले दीप को 'साक्षी-दीप' पूजा वाले दीप को 'अर्चना-दीप' साधना के समय रोशन किए जाने वाले दीप को 'आरती-दीप' मंदिरों के गर्भगृह में अनवरत जलने वाले दीप को 'नंदा-दीप' की संज्ञा दी गई। मंदिरों के प्रवेश द्वार और नगरों के प्रमुख मार्गों पर बनाए जाने वाले दीपकों को 'दीप-स्तंभ' का स्वरूप दिया गया, जिन पर सैंकड़ों दीपक एक साथ प्रकाशमान करने की व्यवस्था की गई।

बहरहाल वर्तमान में भले ही दीपकों का स्थान मोमबत्ती और विद्युत बल्वों ने ले लिया हो, लेकिन प्रकृति से आत्मा का तादात्म्य स्थापित करने वाली भावना के प्रतीक के रूप में जो दीपक जलाए जाते हैं, वे आज भी मिट्टी, पीतल अथवा तांबे के हैं। घी से जज्वलमान यही दीपक हमारे अंतर्मन की कलुशता को धोता है।

-प्रमोद भार्गव

दीपावली पर कैसे जलाएं दीपक

पूजन के समय देवी-देवताओं के सम्मुख दीप उनके तत्व के आधार पर जलाए जाते हैं। देवी मां भगवती के लिए तिल के तेल का दीपक तथा मौली की बाती उत्तम मानी गई है। देवताओं को प्रसन्न करने के लिए देशी घी का दीपक जलाना चाहिए। वहीं शत्रु का दमन करने के लिए सरसों व चमेली का तेल सर्वोत्तम माने गए हैं। देवताओं के अनुकूल बत्तियों को जलाने का भी योग है। भगवान सूर्य नारायण की पूजा एक या सात बत्तियों से करने का विशेष महत्व है। वहीं माता भगवती को नौ बत्तियों का दीपक अर्पित करना सर्वोत्तम माना गया है। हनुमान जी एवं शंकरजी की प्रसन्नता के लिए पांच बत्तियों का दीपक जलाने का विधान है। इससे इन देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। अनुष्ठान में पांच धातुओं सोना, चांदी, कांसा, तांबा और लोहे के दीपक प्रज्ज्वलित करने का महत्व है। दीपक जलाते समय उसके नीचे सप्तधान्य (सात प्रकार का अनाज) रखने से सब प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। यदि दीपक जलाते समय उसके नीचे गेहूँ रखें तो धन-धान्य की वृद्धि होगी, यदि चावल रखें तो महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसी प्रकार यदि उसके नीचे काले तिल या उड़द रखें तो स्वयं माँ काली, भैरव, शनि, दस दिक्पाल, क्षेत्रपाल हमारी रक्षा करेंगे, इसलिए दीपक के नीचे किसी न किसी अनाज को रखा जाना चाहिए। साथ में जलते दीपक के अन्दर अगर गुलाब की पंखुड़ी या लौंग रखें तो जीवन अनेक प्रकार की सुगंधियों से भर उठता।

विभिन्न धातुओं के दीपकों का महत्व

सोने के दीपक को वेदी के मध्य भाग में गेहूँ का आसन देकर और चारों तरफ लाल कमल या गुलाब के फूल की पंखुड़ियां बिखेर कर स्थापित करें। इसमें गाय का शुद्ध घी डालें तथा बत्ती लंबी बनाएं और इसका मुख पूर्व की ओर करें। सोने के दीपक में गाय का शुद्ध घी डालते हैं तो घर में हर प्रकार की उन्नति होती है। इससे धन तथा बुद्धि में निरंतर वृद्धि होती है। बुद्धि सभी बुरी वृत्तियों से सावधान करती रहेगी तथा धन पवित्र स्त्रोतों से प्राप्त होगा। पूजन में चांदी के दीपक को चावलों का आसन देकर सफेद गुलाब या अन्य सफेद फूलों की पंखुड़ियों को चारों तरफ बिखेर कर पूर्व दिशा में स्थापित करें। इसमें शुद्ध देशी घी का प्रयोग करें। चांदी का दीपक जलाने से घर में सात्विक धन की वृद्धि होती है। तांबे के दीपक को लाल मसूर की दाल का आसन देकर और चारों तरफ लाल फूलों की पंखुड़ियों को बिखेर कर दक्षिण दिशा में स्थापित करें। इसमें तिल का तेल डालें और बत्ती लंबी जलाएं। तांबे के दीपक में तिल का तेल डालने से मनोबल में वृद्धि होगी तथा अनिष्टों का नाश होगा। कांसे के दीपक को चने की दाल का आसन देकर तथा चारों तरफ पीले फूलों की पंखुड़ियां बिखेर कर उत्तर दिशा में स्थापित करें। इसमें तिल का तेल डालें। कांसे का दीपक जलाने से धन की स्थिरता बनी रहती है। अर्थात जीवन पर्यन्त धन बना रहता है। लोहे के दीपक को उड़द दाल का आसन देकर चारों तरफ काले या गहरे नीले रंग के पुष्पों की पंखुड़ियां बिखेर कर पश्चिम दिशा में स्थापित करें। इसमें सरसों का तेल डालें। लोहे के दीपक में सरसों के तेल की ज्योति जलाने से अनिष्ट तथा दुर्घटनाओं से बचाव हो जाता है।

आपका राशिफल 20 अक्टूबर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली - 5963

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती हैं' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 5962

Jagrutidaur.com, Bangalore

नींद आएगी अच्छी रोज लगाएं पैरों के तलवों में तेल

सारे दिन की थकान दूर करने के लिए सबसे फायदेमंद तेल ही माना जाता है। जैसे सिर की मालिश करने से सिर दर्द से राहत मिलती है। वैसे ही शरीर के अन्य अंगों की यदि मालिश की जाए तो रक्त संचार बेहतर होता है और कई फायदे भी मिलते हैं। पैरों के तलवों में तेल लगाना भी बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं कि पैरों में तेल लगाने से क्या-क्या फायदे होंगे...

जोड़ों का दर्द होगा दूर

पैरों में तेल लगाने से पैर की हड्डियां मजबूत बनती हैं। इसके अलावा जोड़ों के दर्द और जकड़न से भी राहत मिलती है। तलवे भी मजबूत होते हैं।

फटी एड़ियां होंगी ठीक

यदि आप नियमित तौर पर पैरों में तेल लगाएंगे तो फटी एड़ियां और दरारें भी ठीक होती हैं। इससे आपके पैर भी कोमल होते हैं। पैरों का दर्द और सूजन जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

नींद आएगी अच्छी

अगर आपको रात को नींद अच्छी नहीं आती या बार-बार आंख खुल जाती है तो आप पैरों की तेल से मसाज करके सोएंष। इससे आपकी नींद भी गहरी आएगी और बैचेनी भी दूर होगी।

दबी हुए नसें खुलेंगी

पैर के तलवों में तेल लगाने से आपका रक्त संचार अच्छा होता है। इससे आपके पैरों की दबी हुई नसें खुल जाती हैं। अगर आपकी नसों ने दर्द है तो वह भी ठीक हो जाएगी।

तनाव और चिंता होगी दूर

चिंता और तनाव से राहत पाने के लिए भी आप पैरों के तलवों में तेल लगा सकते हैं। इन समस्याओं से राहत पाने के लिए तेल बहुत ही प्रभावी तरीका है। आप पैरों में तेल लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। आप काफी आरामदायक महसूस करेंगे।

सरसों या नारियल तेल से करें मसाज

आप पैरों के तलवों की मालिश करने के लिए सरसों या फिर नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप देसी घी भी पैरों के तलवों पर लगा सकते हैं। कोई भी तेल या घी इस्तेमाल करने से पहले उसे हल्का गर्म जरुर कर लें। गर्म करके पैरों की मालिश करें।

सूडोकु नवताल- 6475

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6474 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

विचार प्रवाह

रिश्ते खून के नहीं, एहसास के होते हैं और एहसास हो तो अजनबी भी अपने हैं। अगर एहसास न हो तो अपने भी अजनबी हैं। गजब का रिश्ता होता है उनसे, जिनसे कोई रिश्ता नहीं होता। एक अच्छा रिश्ता हवा की तरह होना चाहिए। खामोश मगर हमेशा आसपास।रिश्ता दिल से होना चाहिए और नाराजगी दिल से नहीं, शब्दों में होना चाहिए।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7515

बाएँ से दाएँ

1.कृष्ण का एक नाम-4,3
6.धन,संपत्ति-2
7.इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8.विजय,फतह-2
10.आम जनता,लोग-2
11.लाभ,कुल योग-2
13.निर्माण,कृति-3
14.उत्तर-3
15.नष्ट,विनाश-2
17.रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18.तह,अस्तर-2
20.राजी होना-3
21.अवरोध,रुकावट-2
22.आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2.भिड़ंत,मुठभेड़-3
3.इस्लामी महीना-4
4.हाथी,गज-4
5.न्यायाधीश-2
6.जोरदार-5
9.लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10.स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12.वृतांत,घटना-3
16.हल,निष्कर्ष-4
17.राशन,भोजन-4
19.घोड़ा गाड़ी-2
21.रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -7514 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

उमा भारती बोलीं- सरकार अहाते बंद करा दे, मैं दिया लेकर करूंगी यह काम

भोपाल , यशभारत। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के अहाते बंद कराने की मांग के बाद सरकार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि सरकार ने एक आदेश से शराब पिलाने वाले अहाते बंद कर दिए तो मैं अपने निवास बी-6 श्यामला हिल्स भोपाल से हाथ में दिया लेकर वल्लभ भवन तक आऊंगी और मध्य प्रदेश के शासन एवं प्रशासन की आरती करूंगी एवं जय जयकार करूंगी।

उमा भारती ने मंगलवार को एक के बाद एक पांच ट्वीट किए। भारती ने कहा कि मैं भोपाल के करोंद चौराहे के हनुमान जी को प्रमाण करके स्कूल से लगी हुई शराब दुकान एवं अहाते को देखने गई थी। मैंने कल कहा था कि शराब माफिया अब मुझ पर हमला बोलेगा, दुष्प्रचार करेगा, उल्टी बातें फैलाएगा। यही हमला है।भारती ने कहा कि जो मैंने कहा था उसका स्वरूप आज देखने को मिला, जब चानक पब्लिक से बात करते समय किसी ने यह प्रश्न किया कि आप विपक्ष को सरकार को कमजोर करने का मौका दे रही हैं। तो मेरा सीधा जवाब है कि अहाते गैरकानूनी हैं।उमा भारती ने कहा कि अहातों की अनुमति देना कानून का उल्लंघन है। एक आदेश से यदि हम मध्य प्रदेश के सारे गैरकानूनी तरीके से खुले अहाते बंद कर देते हैं तो सरकार की तो जय-जयकार होगी एवं विपक्ष को कोई मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को मौका ना मिले इसलिए मैं किसी अधर्म और अन्याय के सामने चुप हो जाऊं ऐसा मैं नहीं कर पाऊंगी। बता दें उमा भारती ने बेहतर शराब नीति के लिए 7 नवंबर से 14 जनवरी तक आवास छोड़कर भ्रमण करने का एलान किया है। इस दौरान वे अहातों के सामने भी टेंट लगा कर बैठेंगी। हाल ही में उन्होंने एक अहाते के सामने धरना दिया। साथ ही उमा भारती ने कहा कि शराब माफिया से उनकी जान को खतरा है।

नरोत्तम बोले हुक्का-लाउंज के लिए कानून ला रहे हैं

तीन साल की सजा और एक लाख जुर्माने का होगा प्रावधान

भोपाल , यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिये चौतरफा कार्रवाई की जा रही है। नशा मुक्ति अभियान को प्रदेश में सघनता से चलाया जा रहा है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि हुक्का बार और लाउंज पर सख्ती से रोक लगाने के लिये सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध और व्यापार तथा वाणिज्य उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम-2003 (C O T PA) में संशोधन किया जा रहा है। नशा मुक्ति अभियान में कोटपा में 3 हजार 814 प्रकरण में 4 हजार 416 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने बताया कि कोटपा में संशोधन कर हुक्का बार और लाउंज को प्रतिबंधित कर रहे हैं। इसके बाद इसे संचालित करने वालों के खिलाफ न्यूनतम 50 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक के जुर्माना और न्यूनतम एक से तीन साल तक की सजा का प्रावधान प्रस्तावित है। वर्तमान में कोटपा में हुक्का बार एवं लाउंज संचालित करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा-144 में कार्रवाई की जाती है। प्रदेश में अब तक सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 3 हजार 953 लोग के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 1 हजार 783 लोग के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

अब तक 97 हजार लीटर शराब जब्त

नशा मुक्ति अभियान में अब तक 97 हजार 655 लीटर अवैध शराब जब्त की जिसमें 13 हजार 237 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अब तक एनडीपीएस एक्ट में 205 आरोपियों से 2729.596 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। सिंगरौली में 180 हरे गांजे के पेड़ जब्त किये गये हैं। उज्जैन में 500 लीटर लहान जब्त कर नष्ट की गई।

7000 से अधिक जन जागरूकता कार्यक्रम

नशा मुक्ति के लिये प्रदेश में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 8 एवं 9 अक्टूबर को 442, 10 को 542, 11 को 759, 12 को 889, 13 को 806, 14 को 917, 15 को 1012, 16 को 1037 एवं 17 अक्टूबर को 960, कुल 7 हजार 364 जन-जागरूकता कार्यक्रम किए जा चुके हैं।

महाकाल लोक बनाने वाले मजदूरों को शिवराज ने परोसा भोजन, खुद बैठ कर खाया

भोपाल, उज्जैन, ईएमएस। मध्य प्रदेश का उज्जैन इन दिनों सुर्खियों में है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जैन के महाकाल लोक का उद्घाटन किया। शिव भक्तों के लिए उज्जैन नगरी हमेशा से आस्था का केंद्र रही है। महाकाल लोक के पहले चरण का निर्माण पूरा हो गया है। आज यानी 18 अक्टूबर 2022 को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने महाकाल लोक के दूसरे चरण के निर्माण कार्यों को निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण का काम बहुत तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निरीक्षण के बाद महाकाल लोक के निर्माण में योगदान देने वाले शिल्पकारों और मजदूरों को भोजन परोसा। इस मौके पर शिवराज ने मजदूरों और शिल्पकारों के साथ बैठकर भोजन भी किया। सीएम ने ट्वीट कर कहा कि च्श्री महाकाल लोक के निर्माण में अतुलनीय योगदान देने वाले शिल्पकार व मजदूर भाइयों-बहनों को आत्मीयता के साथ भोजन परोसा एवं उनके साथ स्वयं बैठकर भोजन भी ग्रहण किया। बता दें कि मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान ने महाकाल लोक को लेकर एक बड़ा ऐलान भी किया। चौहान ने कहा कि महाकाल लोक के दूसरे चरण का काम शुरू हो चुका है। काम तेजी से हो रहा है। सीएम ने कहा कि दूसरे चरण का काम पूरा हो जाने के बाद च्श्री महाकाल लोकज्को च्श्री महाकाल महालोकज्के नाम से जाना जाएगा। यानी जब च्महाकाल लोकज्पूरी तरह से बन कर तैयार हो जाएगा तो उसे च्श्री महाकाल महालोकज्के नाम से जाना जाएगा। चौहान ने कहा कि दूसरे चरण में शिखर दर्शन, ध्यान कक्षा, 10वीं शताब्दी के निकले मंदिरों को व्यवस्थित करना और महाराजवाड़ा हेरिटेज धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा।

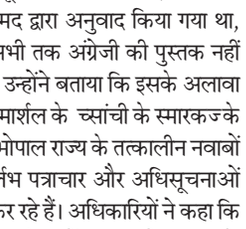

मप्र के सभी मेडिकल कॉलेजों में होगी भगवान धन्वंतरि की पूजा

विपक्ष ने कहा यमराज की भी हो पूजा-अर्चना

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश का चिकित्सा शिक्षा विभाग एक और नई पहल शुरू करने जा रहा है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना की जाएगी। मेडिकल छात्र, डॉक्टर और अस्पताल में मरीजों के परिजन मिलकर भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना करेंगे। यह बात प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कही है। दरअसल इसे लेकर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य मध्य प्रदेश को स्वस्थ प्रदेश बनाना है हिन्दू मान्यताओं के हसाब से धन्वंतरी भगवान विष्णु भगवान का ही अवतार है। उनकी पूजा स्वास्थ्य लाभ के लिए ही की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि, हर साल मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इस बार 22 अक्टूबर को धनतेरस है और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग भोपाल और इंदौर के मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।मंत्री के इस बयान पर कांग्रेस ने अपनी एक मांग उठाई है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग की घोषणा के बाद सरकार से कांग्रेस ने मांग की है। उन्होंने कहा कि अब धनतेरस पर धन्वंतरि के साथ साथ मृत्यु लोक के देवता यमराज की भी पूजा होनी चाहिए। यह मांग मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने उठाई है। उन्होंने कहा कि धर्म की अधिक जानकारी के लिए मंत्री विश्वास सारंग को अच्छे ज्ञानी पंडित से बात करना चाहिए। क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन यमराज की भी पूजा की जाती है तो उसे भी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता के के मिश्रा ने ट्वीट कर लिखा कि 18 सालों के च्धन-मंत्रियोंज्ज को अब याद आई भगवान च्धनवंतरीज्ज की याद, मेडिकल कॉलेजों में हर साल होगाज्ज्आरोग्यज्ज्के देवता का पूजन, अब तकज्ज्दिवालीज्ज्मनाते रहे,अब आई च्आरोग्यज्ज की याद। पहले ही यह सोचते तो कोरोना काल में निर्दोष लाशों के अंबार नहीं लगते ! नौटंकी छोड़ स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दीजिए। इससे पहले चिकित्सा विभाव द्वारा भोपाल के लाल परेड मैदान में एमबीबीएस हिंदी सिलेबस की किताब का विमोचन हुआ। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहें। मध्य प्रदेश, देश में हिंदी भाषा में एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने वाला पहला राज्य बन गया है। शुरुआत में हिंदी के लिए तीन विषयों का चुना गया है, जिसमें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री शामिल हैं। वहीं डेंगू के बढ़ते मामलों पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि डेंगू के बढ़ते प्रकोप को लेकर सरकार समुचित रोकथाम कर रही है।

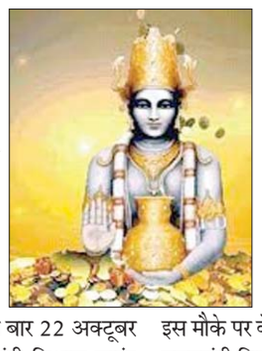

भोपाल में राष्ट्रीय अभिलेखागार की प्रदर्शिनी में दुर्लभ अभिलेखीय दस्तावेज 'तारीख ए सांची' प्रदर्शित

भोपाल ,,एजेंसी। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय अभिलेखागार की प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश में सांची के स्मारकों पर लगभग 150 साल पुरानी किताब और तत्कालीन नवाबों से संबंधित अन्य दुर्लभ मूल अभिलेखीय दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया। किताब सुलेश का उपयोग कर उर्दू में लिखी गई है। 1873 में प्रकाशित च्तारिख-ए-सांचीज नामक पुस्तक मूल रूप से अंग्रेजी में प्रकाशित एक पुस्तक का उर्दू अनुवाद है। अधिकारियों ने बताया कि अनुवाद रियासत की तत्कालीन शासक भोपाल की नवाब शाहजहां बेगम के कहने पर किया गया था। 630 पृष्ठों वाली यह दुर्लभ पुस्तक सुलेख का उपयोग करके निर्मित एक पांडुलिपि है, जो एक मात्र हमारे कार्यालय में उपलब्ध है। जिसे एक दिन के लिए सेमिनार के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सांची की साइट में बौद्ध स्मारकों का एक समूह शामिल है। राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भोपाल सर्कल द्वारा संयुक्त रूप से मंगलवार को च्अभिलेखागार और पुरातत्वज शीर्षक से संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय अभिलेखागार के उप निदेशक संजय गर्ग ने कहा कि राष्ट्रीय अभिलेखागार और एएसआई, जो दोनों संस्कृति मंत्रालय के दायरे में काम करते हैं, एक साथ आए हैं, जो दोनों एजेंसियों के बीच अधिक तालमेल बिठाएंगे, जो दोनों सामग्री और अन्य विरासत के संरक्षण और प्रलेखन से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के तहत इस अवसर पर कुछ पुरातात्विक कलाकृतियों का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। एनएआई भोपाल में अभिलेखागार के सहायक निदेशक एन राजू सिंह ने कहा, च्तारीख-ए-सांचीज का मूल से 1873 में एक शिक्षक फैयाजुद्दीन अहमद द्वारा अनुवाद किया गया था, च्लेकिन हम अभी तक अंग्रेजी की पुस्तक नहीं ढूंढ नहीं पाए है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रदर्शनी में जॉन मार्शल के च्सांची के स्मारकज्के तीन खंडों और भोपाल राज्य के तत्कालीन नवाबों से जुड़े कुछ दुर्लभ पत्राचार और अधिसूचनाओं का भी प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय में 1840 से 1950 के दशक के अभिलेखीय दस्तावेज हैं ।

बोले- किसानों की आय तो नहीं बढ़ी, उत्पादन लागत जरूर दोगुनी हुई

कमलनाथ का बीजेपी सरकार पर पलटवार

भोपाल , यशभारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। कमलनाथ ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, भाजपा ने सत्ता में आने के पूर्व किसानों की आय दोगुनी करने का वाद किया था। आज किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुई, लेकिन उनकी उत्पादन लागत जरूर दोगुनी हो गई है। पूर्व सीएम ने कहा कि आज किसान खाद-बीज के लिए परेशान हैं। उसे उसकी उपज का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। उसे अपनी खराब फसलों का मुआवजा तक नहीं मिला है, वो घाटे के कारण खुद अपनी फसलों को नदी-नाले में बहा रहा है। वो कर्ज के दलदल में निरंतर धंसता जा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए ही हमने मध्यप्रदेश में किसान कर्जमाफी योजना प्रारंभ की थी। आज भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसान फिर संकट में है।

मां की शिकायत करने वाले बच्चे को गृह मंत्री की तरफ से मिला तोहफा

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 3 साल के मासूम का मां की डांट की शिकायत पुलिस से किए जाने का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। जिसके बाद मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस मासूम बच्चे से वीडियो काल पर बात की और दिवाली त्योहार पर बतौर उपहार चॉकलेट और साइकिल देने का वायदा भी किया। और पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश पर खकनार थाना प्रभारी के पी धुर्वे ने घर जाकर बच्चे को चॉकलेट और साइकिल बच्चे को तौफे के रूप में दे दी है। दरअसल मासूम बच्चे का ये वायरल वीडियो गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को इतना पसंद आया कि उन्होंने न सिर्फ मासूम से वीडियो काल पर बात की, बल्कि दिवाली त्योहार पर बतौर उपहार चॉकलेट और साइकिल देने का वायदा भी किया। और उस वादे को उन्होंने आज ही पूरा भी किया। बता दें कि यह मामला बुरहानपुर शहर की देड़तलाई पुलिस चौकी का है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बुरहानपुर के देड़तलाई पुलिस चौकी में एक 3 साल का मासूम अपनी मां की शिकायत करने पहुंच गया। तीन साल के बेटे को नहला-धुलाकर मां ने नजर से बचाने काजल का टीका लगाना चाहा। बेटा इससे ना-नुकुर करने लगा। इस पर मां ने उसे प्यार से गाल पर मार दिया। यह बात बेटे को इतनी नागवार गुजरी कि वह मां की शिकायत करने पुलिस चौकी पहुंच गया। जहां बच्चे ने पुलिस से कहा मम्मी मेरी कैंडी और चॉकलेट चुरा लेतीं हैं। उनको जेल में डाल दो। मासूम बच्चे की यह शिकायत सुन पुलिस सहित मौजूद लोग हंसी छूट गई। चौकी प्रभारी ने कागज उठाकर बच्चे की दिखावटी शिकायत लिखी। इस पर बच्चे को हस्ताक्षर करने को कहा। उसने भी पेन थाम कर कागज पर आड़ी-तिरछी लकीरें उकेर दीं।

टीआई ने घर जाकर दी चॉकलेट और साइकिल

दिवाली से पहले फिर एक्टिव हुई पर्दा गैंग, अलर्ट रहें

325 बसें दौड़ रही भोपाल में, जेबकट-चाकूबाजी की घटनाएं भी बढ़ी

भोपाल, यशभारत। यदि आप दिवाली की खरीदारी करने सिटी बसों में बैठकर बाजारों में जा रहे हैं तो सावधान हो जाएं...। राजधानी भोपाल में च्पर्दा गैंगज फिर से एक्टिव हो गई है। कुछ सिटी बसों में च्पर्दा गैंगज और जेबकट गैंग की मौजूदगी सामने आई है। बसों में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों में खुलासा होने के बाद पुलिस और क्चष्टस्रु के अधिकारी-कर्मचारी चेकिंग करने मैदान में उतर गए हैं। यह चेकिंग त्योहार और उसके बाद भी चलती रहेगी। शहर में पिछले एक महीने के भीतर बसों में चोरी की वारदातें सामने आ चुकी हैं। सितंबर में ही पुलिसकर्मी और नर्स को पर्दा गैंग शिकार बना चुकी है। यह गैंग 10 से 12 सेकंड में ही पर्स या बैग से रुपए और सामान उ?ा देती है। सीसीटीवी कैमरों में गैंग के वीडियो भी सामने आ चुके हैं। इसके बाद महापौर मालती राय ने पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर को लेटर भी लिखा था। ताकि, बसों में नियमित चेकिंग हो सके। महापौर के लेटर लिखने के करीब 15 दिन बीतने के बाद भी चेकिंग शुरू नहीं हुई। ऐसे में पर्दा और जेब कट गैंग फिर से एक्टिव हो गई। तीन दिन पहले ही हलालपुरा बस स्टैंड पर खड़ी सिटी बस में जेब कटी का विरोध करने पर दो जेबकतरों ने एक यात्री पर छुरे से हमला कर दिया था। इससे यात्री लहूलुहान हो गया। ये मामले सामने आने के बाद पुलिस चेकिंग करने के लिए उतर गई। मंगलवार को ही कई बसों में चेकिंग की गई। यह चेकिंग लगातार चलेगी।भोपाल में 325 सिटी बसें दौड़ती हैं, जिनमें रोज एवरेज सवा लाख यात्री सफर करते हैं। सितंबर में सामने आई 2 वारदात ने च्पर्दा गैंगज का खुलासा किया है। ये वो वारदात हैं, जिन्हें लेकर शिकायतें हुई हैं, लेकिन ड्राइवर और कंडक्टरों की मानें तो हर दूसरे-तीसरे दिन पर्स-बैग से रुपए या अन्य सामान चोरी हो रहा है। शिकायत न होने पर आगे कार्रवाई नहीं कर पाते। यदि आप बस में सफर कर रहे हैं तो किराए के लिए रुपए पहले से अलग रख लें।

21 साल की पीड़िता ने भोपाल दर्ज कराई एफआईआर

पत्नी की अदला-बदली और अप्राकृतिक संबंध की दर्दनाक कहानी

भोपाल, ईएमएस। राजस्थान के बीकानेर जिले से भोपाल पहुंची एक विवाहिता ने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस को दी अपनी रिपोर्ट में महिला ने कहा कि उसका पति पर वाइफ स्वैपिंग (पत्नी की अदला-बदली) वाली पार्टी में शामिल होने का दबाव बनाता है। पीड़िता का पति चाहता है कि वह पार्टी में शामिल होकर गैर मर्दों के साथ शरीरिक संबंध बनाए। इसके लेकर पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी पति उसके साथ मारपीट कर अप्राकृतिक संबंध (अननेचुरल सेक्स) बनाने लगा। साथ ही उससे 50 लाख रुपये के दहेज की भी मांग की गई। आरोपी की शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता बीमारी का बहाना बनाकर अपने पीहर भोपाल पहुंची। परिजनों को मामले की जानकारी देकर आरोपी पति के खिलाफ थान में केस दर्ज कराया। पुलिस को दी अपनी शिकायत में 21 साल की पीड़िता ने बताया कि वह मप्र की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा थाना इलाके की रहने वाली है। इस साल उसका निकाह मोहम्मद अम्मार के साथ हुआ था। मोहम्मद बीकानेर के एक पांच सितारा होटल में मैनेजर है। निकाह के बाद से वह बीकानेर में अपने पति के साथ रह रही थी। पीड़िता का आरोप है कि निकाह के कुछ दिन बाद ही उसका पति उस पर वाइफ स्वैपिंग पार्टी में शामिल होने और उसका हिस्सा बनने का दबाव बनाने लगा।

12 सौ के पार हुए डेंगू के मामल :भोपाल में सबसे ज्यादा केस

भोपाल, यशभारत। मप्र में डेंगू के मामले लगातार ब?ते जा रहे हैं। प्रदेश भर में डेंगू के मरीजों की संख्या 1246 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा हालात राजधानी में खराब हैं। भोपाल में अब तक 271 मरीज मिल चुके हैं दूसरे नंबर पर ग्वालियर में 201 केस मिल चुके हैं। तीसरे नंबर पर विदिशा में मामले तेजी से बढ़रहे हैं विदिशा में अब तक डेंगू के 165 मामले सामने आ चुके हैं। जबलपुर में 106, इंदौर में 72, मुरैना में 64, रीवा, दमोह में 41, रायसेन, सिवनी में 27, दतिया में 22, सागर में 20, धार में 17, भिंड में 15, खरगोन, सीहोर में 12, रतलाम में 9, बुरहानपुर, कटनी, होशंगाबाद में 8, मंदसौर, हरदा, राजग?, सतना में 7, शिवपुरी, श्योपुर, उमरिया में 6, अलीराजपुर, बैतूल,सीधी, शहडोल, पन्ना, डिंडोरी में 5, देवास, सिंगरौली में 4, टीकमग?, नरसिंहपुर में 3, अशोकनगर, अनूपपुर, छतरपुर, मंउला में दो-दो और बड़वानी, गुना में एक-एक डेंगू का मरीज मिल चुका है। डेंगू के मरीज सबसे ज्यादा राजधानी भोपाल में बढ़ रहे हैं। हालांकि अफसर कहते हैं कि डेंगू के मामले कंट्रोल में हैं।

सीएम हेल्पलाइन पर लेने-देन की शिकायत आई हैं

कलेक्टर- FIR कर 5 सचिव निलंबित किए हैं

भोपाल यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को दमोह जिले की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीएम हेल्प लाइन में कितनी शिकायतें हैं? किस्त प्राप्त के लिए लेनदेन की शिकायत आई हैं। इस पर दमोह कलेक्टर ने जवाब दिया कि इसमें एफआईआर दर्ज की है। अनुचित राशि की मांग पर 7 ग्राम सेवकों पर कार्रवाई और 5 सचिव निलंबित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुचित पैसा किसी ने मांगा है तो उसको जेल भेजे। ये मैं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करूंगा। किसी भी कीमत पर जीरो टोरलेंस की नीति अपनाएं।

राशन वितरण को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से जानकारी दी गई कि सितंबर में 91 प्रतिशत वितरण किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने पूछा कि 100 प्रतिशत वितरण क्यों नहीं हो रहा? अब तो वन नेशन वन राशनकार्ड के तहत कहीं से भी राशन ले सकते हैं। राशन में गड़बड़ी की कितनी शिकायत हैं। दमोह कलेक्टर ने जवाब दिया कि सितंबर में कुछ शिकायत आई हैं। 5 दुकानों पर स्नढ्ढक्र की कार्रवाई प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे पास भी शिकायतें आई हैं, इनकी जांच करे और कार्यवाई करें। इन मामलों में जो भो दोषी हो तुरंत स्नढ्ढक्र कर जेल भेजो। सख्त कार्रवाई ही एक मात्र इनका इलाज है। सीएम ने कहा कि नशे के खिलाफ जो अभियान चल रहा है, उसमें कुछ हुआ है या नहीं? नशे काअवैध काम करने वालों की कमर तोड़ दो। यह गांव में दुकानों में बिक रही है, या चोरी छिपे बिक रही है। यह बिल्कुल नहीं होना चाहिए। नीचे भी अच्छे से चेक करें, वरना अभियान के नाम पर पैसे लेने देने लगे। यह बहुत पवित्र उद्देश्य से हम कर रहे हैं। इसलिए मैं इस त के लिए बधाई देता हूं कि आप जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं। केवल डंडा चलाने से काम नहीं चलेगा, जो लोग पीते हैं। उन्हें समझाना भी है कि नशा नाश की जड़ हैं। ओर परिवार, पैसा और शरीर को तबाह कर देता हैं। दमोह जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सीएम को बताया क जिले में अभी और प्रयास करने की जरूरत है। सितंबर 2022 तक हमने 1680 प्रकरण किए हैं। इसमें काफी मात्रा में शराब पकड़ी और पूर्णत÷नशा मुक्ति का प्रयास कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि ओर नीचे भी आप ये चेक करके रखो कि कोई अभियान के नाम पर पैसे देने-लेने ना लगे, कोई गड़बड़ ना कर दे। उन्होंने कमिश्नर और आईजी से पूछा कि कैसे चेक करते है। इस पर अधिकारी ने जवाब दिया कि पूरे संभाग में बहुत अच्छा काम चल रहा है। 17 से अधिक प्रकरण शराब के खिलाफ और 45 एनडीपीएस की कार्रवाई की गई है।

रंगारंग प्रस्तुतियों से सजेगी संगीत की महफिल

नवंबर में रहेगी किरण संगीत समारोह की धूम

कटनी,यशभारत। देश के सांस्कृतिक वैभव में शामिल किरण कटनी के भारतीय संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम अखिल विश्व किरण संगीत समारोह 2022 का भव्य आयोजन 11 नवम्बर से 14 नवम्बर तक स्थानीय किरण राष्ट्रीय रंगमंच, कैलवारा रोड में किया जा रहा है जिसमें देश क` विभिन्न अंचलों के प्रतिभाशाली कलाकार अपनी नृत्य कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। किरण के संस्थापक अध्यक्ष टीकाराम कुषवाहा ने पत्रकार वार्ता में किरण समारोह की घोषणा करते हुए बताया कि विगत् दो वर्षों में कोरोनाकाल के अंतराल बाद 46वा ` अखिल विश्व किरण संगीत समारोह 2022 आयोजित है जिसमें इस वर्ष नृत्य की विभिन्न विधाओं में 11 नवम्बर शास्त्रीय कथक नृत्य युवा 12 नवम्बर शास्त्रीय कथक नृत्य बाल 13 नवम्बर हिंदुस्तानी संगीत पर आधारित प्रचलित शैली नृत्य रिकार्डेड 14 नवम्बर भारतीय लोकनृत्य शैली पर आधारित समूह नृत्य की स्पर्धा सम्पन्न होगी जिसमें नृत्यश्री की मानद उपाधि के साथ किरण स्वर्ण, रजत पदक सहित 1 लाख रू. की छात्रवृत्ति, प्रे सीडें ट आवार्ड, प्रमाण पत्र वितरित किये जायेग ं। कार्यक्रम समिति प्रभारी राकेश सुहाने ने कार्यक्रम संबंध में जानकारी द` ते ह ु ये बताया कि समारोह प्रतिदिन सांय 6 बजे से प्रा `रभ होगा, कलाकारों के आवास व भो जन की व्यवस्था किरण संस्था द्वारा निःशुल्क उपलब्ध होगी एंव कार्यक्रम के प्रमुख अंश विभिन्न चैनलों में प्रसारित किया जाते हैं, संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली एंव संस्कृति संचनालय भोपाल स` संबध्द किरण का यह आयोजन नई उर्जा के साथ गौरवशाली परंपरा अनुसार आयोजित है। जो जन सामान्य के लिये प्रवेश निःशुल्क रहेगा। पुरूस्कारों की श्रृंखला में विजेता को 10000 रूपए नृत्य श्री 2022 किरण स्वर्ण पदक, उप विजेता को 5000 रूपए रजत पदक एंव प्रेसीडेंट आवार्ड छात्रवृत्ति 1000 रूपए प्रमाण पत्र सहित प्रत्येक विधाओं में अलग अलग प्रदान किये जायेंगें, कलाकारों की प्रस्तुति का देश के ख्यातिलब्ध कलाविद् निर्णायक मंडल मूल्यांकन करेंगे शहर के सभी कला साधकों, प्रबुध्दजनों, जन सामान्य से किरण स`स्था ने अपील की है कि समारा `ह में पह ु चकर शहर की इस सांस्कृतिक विरासत एंव कलाकारों का उत्साहवर्धन करें। समारोह की भव्यता प्रदान करने में किरण के बलराम नगरिया, रवीन्द शुक्ला, दीपक कुशवाहा, अनिल पिपरसानिया, जगदश साहू, कैलाश सोनी, ओमप्रकाश तिवारी, मनोज गुप्ता, सहित किरण टीम प्रयासरत है।

नशे के अवैध कारोबार के विरूद्ध कार्रवाई जारी

कटनी,यशभारत। ज़िले में अवैध मदिरा के संग्रहण ,परिवहन विक्रय और निर्माण के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर एवं जिला आबकारी अधिकारी आर.के. बघेल के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त कटनी क्रमांक तीन में ग्राम बिचपुरा, टेढी, मानपुर, में ममता अहिरवार सहायक जिला आबाकरी अधिकारी के नेतृत्व में मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है ।जिसमें आबकारी की टीम बी द्वारा की गई कार्यवाही में कुल जप्ती 690 किलोग्राम महुआ लाहन, एवं 14 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा के कुल 5 न्यायालयीन प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क एवं च के पंजीबद्ध किये गये। मौके पर महुआ लाहन का सैंपल लिया जाकर नष्ट किया गया। जप्त किये गये लाहन तथा मदिरा की अनुमानित राशि लगभग 36 हज़ार 600रूपये है। इस कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक अभिषेक सिह बघेल, मोना दुबे, श्केशव प्रसाद उईके, आबकारी आरक्षक श्री शिवमूरत नामदेव, श्रंद्र प्रकाश त्रिपाठी, सम्मिलित रहे। इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

कटनी,यशभारत। शासकीय महाविद्यालय बरही मे संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ आर. के. वर्मा के मार्गदर्शन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व में चुनाव आयोग द्वारा एक जनवरी 2023 तक 18 वर्ष की उम्र पूर्ण करने वाले अधिक से अधिक युवाओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए 20 अक्टूबर तक चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार 17 अक्टूबर को विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ।जिसमें डॉ. अरविंद सिंह के द्वारा उपस्थित विद्यार्थियो को बताया गया कि भारत का कोई भी नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष या इससे अधिक हो बी. एल. ओ. के माध्यम या वोटर हेल्प लाइन एप अथवा ऑनलाइन फॉर्म 6 भरकर मतदाता बनने के लिए अपना पंजीयन करवा सकते हैं, क्योंकि लोकतांत्रिक और निर्वाचन प्रक्रियाओं में भाग लेने के नागरिक का मतदाता सूची में नाम शामिल होना अनिवार्य हैं अतः सभी को जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाकर, वोट के महत्व को समझते हुए मतदान प्रक्रिया में जरूर शामिल होना चाहिए, प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफके साथ विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि हम सभी को 18 वर्ष की उम्र पूरी होने पर मतदाता बनने की प्रक्रिया पूर्ण कर, मतदान की शक्ति की अनुभूति कर सभी चुनावो में मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगें क्योंकि एक वोट भी बहुत महत्वपूर्ण होता है जो बड़ा बदलाव ला सकता है, कार्यक्रम में इकाई 2 व 3 कार्यक्रम अधिकारी सुश्री प्रियंका तोमर, डॉ रश्मि त्रिपाठी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर. के. त्रिपाठी, डॉ. एस. एस. धुर्वे, डॉ. आर. जी. सिंह, सुनीता सिंह, डॉ. के. के. विश्वकर्मा, डॉ. राकेश दुबे, डॉ. के. के. निगम, डॉ. नीलम चतुर्वेदी, डॉ. मंजुलता साहू, डॉ. शिवानी बर्मन, अनीता सिंह, मनीष मिश्रा, पुष्पेंद्र तिवारी, रूपा शर्मा, मनोज चौधरी, ऋषभ परौहा तथा स्टॉफके अन्य सदस्य एवं रासेयो स्वयंसेवक विक्रम, आशीष, ललन, सर्वेश, शुभम, धर्मेंद्र, जितेन्द्र, अनुज, प्रदीप, पूजा, सपना, अतुल, संतोष, शिवम, अशोक, भारती, पूजा, ईशा, दीपांजलि, संगीता, सपना, सुलेखा, लक्ष्मी, दीप्ति, पूर्णिमा, रामभजन आदि उपस्थित रहे।

नौकरी के 37 वर्ष बगैर प्रमोशन गुजार दिये

कटनी,यशभारत। शिक्षा विभाग में विगत 1985 से अनवरत अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे दिव्यांग शिक्षक मार्तण्ड सिंह राजपूत जो कि इन दिनों शासकीय माध्यमिक शाला एनकेजे कटनी में पद्स्थ्य हैं, उनकी प्रथम नियुक्ति फ़रवरी 1985 में सहायक शिक्षक पद पर जबलपुर जिले में हुई थी। 1991 से ये दिव्यांग शिक्षक कटनी जिले में अपनी शैक्षणिक सेवाएं सहायक शिक्षक पद पर ही दे रहे है। शासन की नीतियों का सही ढंग से क्रियान्वयन न होने के चलते आज अनेकों अनेक दिव्यांग शिक्षक पात्र होने के बावजूद भी पदोन्नति के लाभ से वंचित हैं। दिव्यांग कल्याण कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक होने के नाते उन्होंने आरोप लगाया कि पदोन्नति के अभाव में आज भी लगातार 30 से 40 वर्षों से एक ही पद पर कार्य करने हेतु मजबूर दिव्यांग कर्मचारी पदोन्नति की राह देखते देखते सेवानिवृत्त के मुहाने पर खड़े हैं। लेकिन दिव्यांग कर्मचारियों को सामान्य लोगों से हटकर प्रमोशन पाने का हक उन्हें दिव्यांग अधिकार अधिनियम में मिले होने के बावजूद भी इन वर्ग के कर्मचारीयों को प्रमोशन न मिलना अब उन्हें कुंठित और उपेक्षा के मार्ग में ढकेल रहा है।

शिविर में योजना का लाभ उठा रहे हितग्राही

कटनी,यशभारत। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित चिन्हित 33 हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत नगर में रोजाना वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जाकर नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने की कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान अंतर्गत सोमवार प्रातः 10 बजे से वार्ड क्र. 10 ,11 एवं 12 हेतु सरस्वती स्कूल नई बस्ती, वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 हेतु वेंकट स्कूल खिरहनी ओव्हर ब्रिज के पास तथा वार्ड क्र. 30 एवं 31 हेतु सी.एल.पी पाठक स्कूल भवन में शिविर का आयोजन किया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगम अध्यक्ष श्री मनीष पाठक द्वारा आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया जाकर शिविर में प्राप्त प्रकरणों एवं निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली। वेंकट वार्ड में आयोजित शिविर के दौरान श्रीमती दूजी बाई खटीक की समग्र आई.डी संबंधी समस्या सुनी जाकर संबंधित अधिकारी को समग्र आई.डी में नाम जोडने के निर्देश प्रदान किए। सरस्वती स्कूल शिविर के दौरान नदीपार निवासी श्री कमलेश जैन को पात्रतानुसार संबल योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। सी.एल.पी पाठक स्कूल भवन के पास आयोजित शिविर में उपस्थित हितग्राहियों से चर्चा की जाकर प्रत्येक काउंटर की व्यवस्थाएं देखी तथा प्राप्त होने वाले आवेदनों की जानकारी ली। इस दौरान निगमाध्यक्ष मनीष पाठक द्वारा कुदीजा बेगम की पात्रता पर्ची संबधी समस्या सुनी जाकर परिवार पात्रता पर्ची जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए तथा शिविर में उपस्थित हितग्राहियों को शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाकर संबंधित काउंटर से शासन की योजना का लाभ अर्जित करने की अपील की गई। आयोजित शिविरों के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य श्रीमती बीना संजू बैनर्जी, पार्षद सर्व श्री राजेश भास्कर, जयनारायण निषाद, सुभाष शिब्बू साहू, सीमा श्रीवास्तव सहित अन्य जनों एवं विभिन्न योजनाओं के अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

झंडा बाजार क्षेत्र प्रकाश से जगमगाया

कटनी,यशभारत। रघुनाथ गंज वार्ड के पार्षद मिथलेश जैन द्वारा अपने पूर्व पार्षद कार्यकाल में झंडा बाजार में चार लाइटें लगवाई गई थी, जो कि जो कि कुछ समय पहले नगर निगम द्वारा निकलवा दी गई थी, लेकिन नागरिकों की मांग पर क्षेत्रीय पार्षद ने नगर निगम से प्रयास करके दुबारा झंडा बाजार के खंबे में 4 एल ई डी लाइट खड़े होकर लगवाई और जिनके प्रकार से झंडा बाजार, रूई मंडी, जैन कीर्ति स्तंभ, खेरमाई मंदिर और सराफा बाजार का क्षेत्र प्रकाश से जगमगा गया है नागरिकों ने इस कार्य की सराहना की है।

सड़क सुरक्षा व नशामुक्ति जागरूकता के लिए रैली निकालकर किया लोगों को जागरूक

कटनी,यशभारत। वार्डस्ले स्कूल में पुलिस अधीक्षक सुनीलजैन के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस के मार्गदर्शन एवं सी एसपी विजय प्रताप सिंह , थाना प्रभारी अजय सिंह के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक शशिभूषण दुबे थाना स्टफ अरुणपांडे , अंकितदुबे, नन्दनकुमार द्वारा बच्चों एवं शिक्षकों के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता अभियान व हेलमेट जागरूकता अभियानकेतहत रैली निकाल कर लोगों को नशा कर गाड़ी वाहन न चलाने के सम्बद्ध में सुझाव दिए गए। हेलमेट पहनने प्रेरित किया गया इसी के साथ ही नशा मुक्ति अभियान के तहत स्थानीय लोगों के साथ कोतवाली पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों में जागरूकता रैली निकाली गई जिसका समापन वार्डस्ले स्कूल में किया गया ।

मातृभाषा ही नहीं हमारी आत्मा में भी बसी है हिंदी

कटनी,यशभारत। शासन के आदेशानुसार शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में प्राचार्य डॉ. एस. के खरे की अध्यक्षता एंव उनके निर्देशानुसार हिन्दी विभाग के द्वारा हिन्दी भाषा के महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में अतिथि के रूप में प्रो.अशोक श्रीवास्तव, श्रीराम सेंगर राजेन्द्र सिंह ठाकुर आनन्द तिवारी रामनरेश मिश्र लखन डेहरिया, प्रियांशु तिवारी शानूराज जैसे मूर्धन्य विद्वान एव नवगीतकार उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एंव माल्यार्पण द्वारा हुआ सरस्वती वन्दना कु माया काछी, संगीता काछी और सुनीता काछी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि आज हिन्दी भाषा हमारी मातृभाषा है हमारी आत्मा में बसी हुई है। हिन्दी भाषा के द्वारा ही हम सभी की उन्नति सम्भव है। विषय प्रवर्तन के रूप में अपने विचारों को रखते हुए प्रो. अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि आज के इस वैज्ञानिक युग में हिन्दी क्षण प्रतिक्षण उन्नति कर रही है और इसका प्रयोग करने में किसी भी प्रकार का हमें संकोच नहीं करना चाहिए। श्री राम सेंगर जी ने हिन्दी भाषा के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि दिन प्रतिदिन हिन्दी उन्नति के मार्ग पर है, आनन्द तिवारी ने काव्यपाठ किया और कहा कि हिन्दी हिन्दुस्तान की भाषा है अनमोल, हिन्दी है माँ भारती हिन्दी हिन्दी बोल । इसी क्रम में राजेन्द सिंह ठाकुर, रामनरेश मिश्र, लखन डेहरिया, प्रियांशु तिवारी, शानुराज, प्रियंका मिश्रा ने भी काव्यपाठ किया और हिन्दी भाषा के महत्व का गुणगान गाया। डॉ माधुरी गर्ग ने संचालन के दौरान कहा कि अपनी ही भाषा में अपनी उन्नति सम्भव है. निज भाषा उन्नति है। इस कार्यक्रम में समस्त अतिथि जनों का सम्मान माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह से किया गया कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सायं 6 बजे दिनांक 15 अक्टूबर को ही एक दीपक मातृभाषा के नाम कार्यक्रम का भी आयोजन प्राचार्य डॉ. एस के. खरे की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक वर्ग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. माधुरी गर्ग द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ.प्रतिमा त्रिपाठी द्वारा किया गया।

जरूरतमंदों को उपहार देकर बांटी दीवाली की खुशियां

कटनी,यशभारत। मां जालपा कालका शारदा के आशीर्वाद से इस बार भी सर्वशक्ति वुमन पावर ग्रुप के द्वारा हर साल की तरह इस साल भी जरूरतमंदों के साथ खुशियों की दीपावली मनाई गई। इसमें लक्ष्मी गणेश जी की मूर्ति, लाई बतासा, नारियल, मिठाई, पटाखे, अगरबत्ती, माचिस, स्टील का तसला, कपड़े आदि सामग्री बाटी गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां जालपा कालका शारदा मां की दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना करके किया गया। ग्रुप मेंबर सरिता दी, वंशिका भाटिया, श्रुति सेठिया, आशा गुप्ता के द्वारा पूजा अर्चना की गई। इसके बाद श्री गणेश वंदना, सरस्वती वंदना और गरबा सॉन्ग के साथ सांस्कृतिक समारोह शुरू किया गया। इसके साथ ही हमारी खुशियों की दीवाली के साथ हमारे दो कार्यक्रम और रखे गए थे जिसमें नवरास गरबा टीम को सम्मानित किया गया साथ ही नवरास गरबा के टीम मेंबरों का केक कटिंग सेलिब्रेशन किया गया। अंत में सभी ने माता रानी भोग ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ
यश भारत
कलर क्लासीफाइड
1 दिन - 150/-
3 दिन - 250/-
7 दिन - 500/-
15 दिन - 1200/-
30 दिन - 1800/-
साईज- 5x1
आवश्यकता, खरीदना-बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें
बुकिंग हेतु संपर्क करें
यश भारत
कचहरी चौक, कटनी
फोनः- 07622-230033
Email :- katni@yashbharat.com

टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान

अब PAK ने दी वर्ल्ड कप बायकॉट की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और BCCI के सचिव जय शाह ने सोमवार को अगले एशिया कप को लेकर बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। इसलिए टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर किसी अन्य देश में शिफ्ट कर दिया जाएगा। एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। उसे उम्मीद थी कि इस टूर्नामेंट के जरिए वह दुनिया की सबसे लोकप्रिय टीम (टीम इंडिया) को अपने घर में 15 साल बाद होस्ट कर सकेगा। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मालामाल बनता और उसके देश के ऊपर से डेंजरस होने का टैग पूरी तरह से हट जाता, लेकिन टीम न भेजने के भारत के फैसले ने उसके अरमानों पर पानी फेर दिया है। इसके बाद पाकिस्तान अपनी आदत के मुताबिक धमकी पर उतर आया है। उसकी ओर से आवाज आने लगी है कि अगर भारत एशिया कप के लिए टीम नहीं भेजता है तो हम अगले वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेंगे। एशिया कप जुलाई-अगस्त में होना है और वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में। पाकिस्तान की इस धमकी में कितना दम है? अगर भारत एशिया कप कप के लिए पाकिस्तान नहीं भी जाता है तो क्या पाकिस्तान की इतनी हैसियत है कि वह वर्ल्ड कप का बायकॉट करे दे?

पहले जान लेते हैं कि बौखलाया हुआ पाकिस्तान बोल क्या रहा है- न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वर्ल्ड कप के बायकॉट की धमकी देने के साथ-साथ ICC और ACC का रोना भी रो रहा है। उसका कहना है कि इससे ICC और ACC को घाटा होगा। PCB के एक प्रवक्ता ने कहा कि अगले महीने मेलबर्न में होने वाली ICC बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को उठाएंगे। PTI की खबर में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट रमीज राजा, जय शाह के इस फैसले से काफी नाखुश हैं।

पाकिस्तान के बायकॉट को नहीं मिलेगा किसी का सपोर्ट- कोरोना पैंडेमिक से पहले टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना था। श्रीलंका बोर्ड को इस सीरीज के लिए स्पॉन्सर मिल गए थे, लेकिन लॉकडाउन के कारण ये सीरीज नहीं हो पाई। BCCI ने श्रीलंका बोर्ड से वादा किया कि बाद में टीम इंडिया जरूर श्रीलंका दौरे पर जाएगी और उसके घाटे की भरपाई करा देगी। टीम वाकई बाद में श्रीलंका गई और वहां सीरीज खेलकर आई। इसके बाद श्रीलंका बोर्ड ने BCCI को अपना बड़ा भाई बताया था।

सिर्फ श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड नहीं है जिसे आर्थिक रूप से अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए क्क्षष्टष्ठ के सपोर्ट की जरूरत होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे सहित तमाम क्रिकेट प्लेइंग कंट्रीज क्रिकेट के जरिए अच्छी-खासी कमाई के लिए भारत और BCCI पर डिपेंड रहते हैं। भारतीय टीम के एक दौरे से वे उतनी कमाई कर लेते हैं जितनी वे आम दौरों के जरिए दो से तीन साल में कमाते हैं। इसलिए अगर PCB इस मसले को ICC की राजनीति में लो जाता है तो उसे शायद ही किसी दूसरे बोर्ड का सपोर्ट मिलेगा। ICC टूर्नामेंट के बहिष्कार की वजह से उस पर बैन लगने का खतरा भी मंडराने लगेगा।

भारत का केस है काफी स्ट्रॉन्ग- भारतीय टीम अगर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पाकिस्तान जाने से इनकार करती है तो दुनिया का कोई भी देश इस फैसले पर सवाल नहीं उठा सकता है। भले ही पाकिस्तान ने हाल-फिलहाल ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीम को होस्ट किया हो, लेकिन वहां के अस्थिर हालात दुनिया में किसी से नहीं छिपे हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की जन्मस्थली और शरणस्थली माना जाता है। इंग्लैंड ने भी कई बार दौरा कैंसिल करने के बाद आखिरकार पिछले महीने टीम भेजी थी। न्यूजीलैंड तो वहां वनडे मैच शुरू होने से आधा घंटा पहले सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दौरा रद्द कर दिया था। भारत आसानी से पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधी खतरों को साबित कर सकता है। पाकिस्तान आज भी कश्मीर में लगातार आतंकवाद को प्रमोट कर रहा है। भारत इस आधार पर भी पाकिस्तान टीम भेजने से इनकार करने का हकदार है और दुनिया इसके लिए भारत पर सवाल नहीं उठा सकती।

पाकिस्तान के न होने से टूर्नामेंट के फाइनेंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा- पाकिस्तान में दुनियाभर के करीब 10त्न क्रिकेट फैंस रहते हैं। फैंस के लिहाज से भारत की हिस्सेदारी करीब 60त्न है। लेकिन क्रिकेट फाइनेंस की बात करें तो भारत ग्लोबल अर्निंग में 80त्न कंट्रीब्यूशन देता है, वहीं पाकिस्तान महज 5त्न। लिहाजा पाकिस्तान अगर वर्ल्ड कप नहीं भी खेलता है तो भी टूर्नामेंट की वित्तीय स्थिति पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। ओवरऑल हैसियत के मामले में तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड BCCI के सामने बिल्कुल भी नहीं टिकता। BCCI पाकिस्तान के बोर्ड से 36 गुना ज्यादा अमीर है। BCCI की वैल्यू 15, 521 करोड़ है। वहीं, PCB की वैल्यू महज 427 करोड़ रुपए है।

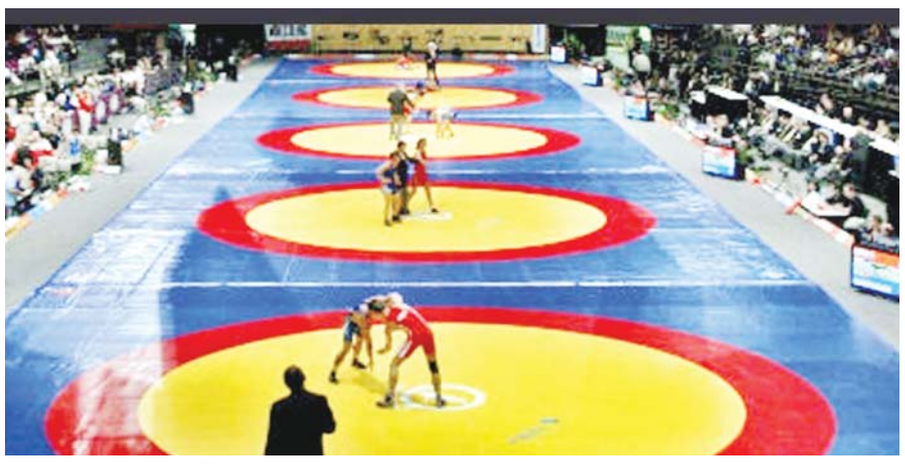

विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पाएंगे 21 भारतीय पहलवान, स्पेन ने अजीब कारण से किया वीजा खारिज

नई दिल्ली, ईएमएस। स्पेन के दूतावास ने एक अजीबोगरीब फैसला करते हुए उन 21 भारतीय पहलवानों को वीजा देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पोंटेवेदरा में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में हिस्सा लेना था। राष्ट्रीय महासंघ ने सोमवार को बताया कि वीजा आवेदन केवल इसलिए खारिज कर दिया गया, क्योंकि उन्हें संदेह है कि खिलाड़ी वीजा अवधि समाप्त होने तक देश नहीं छोड़ेंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सोमवार से शुरू हुई चैंपियनशिप के लिए 30 सदस्यीय टीम चुनी थी, लेकिन केवल नौ खिलाड़ियों को ही वीजा दिया गया। जो भारतीय पहलवान चैंपियनशिप में भाग लेने से चूक गए उनमें अंडर 20 महिला विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल भी शामिल है। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पीटीआई से कहा, च्ज्हमने इस तरह की स्थिति का सामना पहले कभी नहीं किया था। भारत सरकार का मंजूरी पत्र और विश्व कुश्ती की संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू का निमंत्रण पत्र दिखाने के बावजूद हमारे पहलवानों को तुच्छ आधार पर वीजा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, च्ज्हमें आज शाम को नामंजूरी का पत्र मिला जब हमने जल्द से जल्द पासपोर्ट वापस करने का आग्रह किया था। यह वास्तव में अजीबोगरीब है। यह वास्तव में हमारी समझ से परे है कि अधिकारी इस नतीजे पर कैसे पहुंचे कि भारतीय पहलवान और कोच वापस भारत नहीं लौटेंगे। डब्ल्यूएफआई ने अपने नौ कोच के लिए भी वीजा आवेदन किया था, लेकिन केवल छह को ही वीजा मिला। फ्रीस्टाइल के 10 पहलवानों में से केवल अमन (57 किग्रा) को वीजा मिला, जबकि नौ अन्य के आवेदन खारिज कर दिए गए। दिलचस्प बात यह है कि फ्रीस्टाइल के तीन कोच को वीजा दिया गया। छह ग्रीको रोमन पहलवान और महिलाओं में से केवल अंकुश (50 किग्रा) और मानसी (59 किग्रा) को ही वीजा मिला। तोमर ने कहा, च्ज्अब हम एक पहलवान के लिए तीन कोच कैसे भेज सकते हैं, इसलिए हम जगमंदर सिंह को अमन के साथ भेज रहे हैं। छह ग्रीको रोमन पहलवान पहले ही स्पेन पहुंच चुके हैं और दो महिला पहलवान रविवार को रवाना हो गई हैं।ज्महामुकाबले की फाइनल तैयारी, क्या टीम इंडिया खोज पाएगी इन सवालों का जवाब? भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबले की फाइनल तैयारी टीम इंडिया को आज करनी है और क्या टीम इंडिया कुछ सवालों का जवाब खोजने में सफल होगी, क्योंकि कई खिलाड़ी अभी भी असमंजस की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

गुपचुप शादी से गुस्से में अपनी पैंट फाड़ने तक, सनी देओल के किस्से

मुंबई, एजेंसी। ये ढाई किलो का हाथ जब किसी पर पड़ता है तो आदमी उठता नहीं, उठ जाता है..., दूध मांगोगे तो खीर देंगे, कश्मीर मांगोगे तो चीर देंगे...ज, बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल (Sunny Deol) के नाम से ऐसे ही कुछ दमदार डायलॉग्स सबसे पहले जेहन में आते हैं। सनी देओल हिंदी सिनेमा के एक ऐसे एक्टर रहे हैं, जो कभी भी च्कथित आइडल हीरोज् वाली इमेज में नहीं जचे लेकिन अपनी बेहतरीन अदाकारी, जोरदार एक्शन और ऑफस्क्रीन दिलकश मिजाज से हमेशा फैन्स के दिलों को जीतते रहे। सनी देओल आज अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं, सनी देओल का जन्म बॉलीवुड के च्ही मैनज् कहलाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र और प्रकाश कौर के घर, 19 अक्टूबर 1965 को हुआ था। सनी देओल का असली नाम अजय सिंह देओल था, लेकिन धीरे- धीरे लोग उन्हें सनी बुलाने लगे और बाद में यही नाम फेमस हो गया। सनी देओल भी शुरू से ही एक्टर बनना चाहते थे, ऐसे में उन्हें एक्टिंग की पढ़ाई के लिए धर्मेंद्र ने इंग्लैंड भेज दिया। एक्टिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद सनी वापस आए और 1983 में फिल्म बेताब से डेब्यू किया। फिल्म के लिए सनी को दर्शकों ने पसंद किया औ साथ ही उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट एक्टर के लिए नॉमिनेट भी किया गया।

फिल्मी है सनी की शादी की स्टोरी

सनी देओल की शादी का किस्सा भी किसी फिल्मी स्टोरी से कम नहीं है। कहा जाता है कि सनी देओल की सगाई 14 साल की उम्र में ही पूजा से हो गई थी, वहीं जब पूजा की फैमिली को पता लगा कि सनी देओल एक्टर बनने वाले हैं तो उन्हें लगा कि हीरो बनने के बाद सनी, पूजा को छोड़ देंगे। ऐसे में पूजा को वापस उनके परिवार ने इंग्लैंड बुला लिया। धर्मेंद्र कहते थे कि फिल्म बेताब की रिलीज के बाद सनी और पूजा की शादी करवा देंगे, लेकिन पूजा के परिवाल वालों को विश्वास नहीं होता था। ऐसे में फिल्म की रिलीज से पहले ही इंग्लैंड में गुपचुप तरीके से पूजा और सनी की शादी हुई। ताकि इसका असर सनी के करियर पर न पड़े। हालांकि फिल्म रिलीज के बाद परिजनों और दोस्तों के लिए दोबारा शादी करवाई गई थी।

शाहरुख और सनी की टकरार

शाहरुख खान और सनी देओल फिल्म डर में साथ नजर आए थे। फिल्म में सनी हीरो थे और शाहरुख विलेन, लेकिन एक ओर जहां शाहरुख का स्क्रीन टाइम ज्यादा था तो दूसरी ओर दर्शकों ने भी शाहरुख खान को काफी ज्यादा पसंद किया। कहा जाता है कि इस ही बात से सनी गुस्सा हो गए और एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि हीरो को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए, पैसे लेकर किसी की भी शादी में नहीं नाचना चाहिए। याद दिला दें कि उस वक्त शाहरुख- अक्षय सहित कुछ सितारे फीस लेकर शादी या अन्य पार्टी इवेंट्स में डांस करते थे। सनी की बात को शाहरुख पर तंज कहा गया था। कहा जाता है कि फिल्म को लेकर ही सनी देओल की यश चोपड़ा से बहस हो गई थी और अपने गुस्सो को काबू करने के लिए पॉकेट में हाथ डाले सनी ने अपनी ही पैंट फाड़ दी थी।

ट्विटर पर उर्वशी रौतेला ने ऐसे दिया फैन्स को धोखा, ट्रोल्स ने लगा दी एक्ट्रेस की क्लास

मुंबई, ईएमएस। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला बीते कुछ दिनों से लगातार खबरों में बनी हुई हैं। एक ओर जहां उर्वशी के फोटोज और वीडियोज वायरल हो रहे हैं तो दूसरी ओर उन्हें काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। उर्वशी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी मीम्स भी वायरल हो चुके हैं। हाल ही में उनका इसको लेकर दुख भी छलका था, लेकिन इस बीच उन्होंने फिर से कुछ ऐसा कर दिया है कि वो ट्रोल हो रही हैं। उर्वशी रौतेला ने अपने फैन्स को धोखा दिया है, जिस वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है।

#AskUrvashi पर नहीं दिया जवाब

दरअसल करीब 5-6 घंटे पहले उर्वशी रौतेला ने ट्विटर पर एक ट्वीट किया था। अपने ट्वीट में उर्वशी ने #AskUrvashi सेशन का जिक्र किया था। यानी इस हैशटैग के साथ उर्वशी अपने फैन्स के सवालों के जवाब देतीं, हालांकि सभी सवाल तो नहीं लेकिन कुछ चुनिंदा। लेकिन उर्वशी ने किसी भी फैन के एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है, जिसकी वजह से अब उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। एक ओर फैन्स का कहना है कि उन्हें धोखा मिला है तो दूसरी ओर अन्य ट्विटर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। उर्वशी पर एक बार फिर मीम्स वायरल हो रहे हैं।

स्पीच चुराने का लगा था आरोप

याद दिला दें कि इस महीने की शुरुआत में उर्वशी रौतेला का TED& वीडियो सामने आया था, हालांकि उस वक्त तो उसकी ज्यादा चर्चा नहीं हुई लेकिन अब उर्वशी पर स्पीच चोरी करने के आरोप लग रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स काक हना है कि न्होंने TED& टॉक में दी अपनी स्पीच को कॉपी किया है। कहा जा रहा है कि उर्वशी की स्पीच इसाबेल एलेंडे, चिमामांडा न्गोजी अदिची, डेनियल एच पिंक, ब्रेन ब्राउन जैसे कई बड़े स्पीकर्स की कॉपी है।

पोस्ट कॉपी करने का भी लगा था आरोप

बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब उर्वशी ऐसे किसी आरोप के चलते खबरों में हैं। इससे पहले सितंबर 2018 में उर्वशी रौतेला एक पोस्ट को कॉपी करने की वजह से चर्चा में थीं। उर्वशी ने अपना एक इंस्टा पोस्ट, सुपरमॉडल गीगी हदीद के पोस्ट को हुबहू कॉपी किया था। हालांकि ट्रोल होने के बाद उर्वशी ने इसे अपनी टीम की गलती बताया था।

परिणीति ने तुर्की में खराब मौसम में की शूटिंग

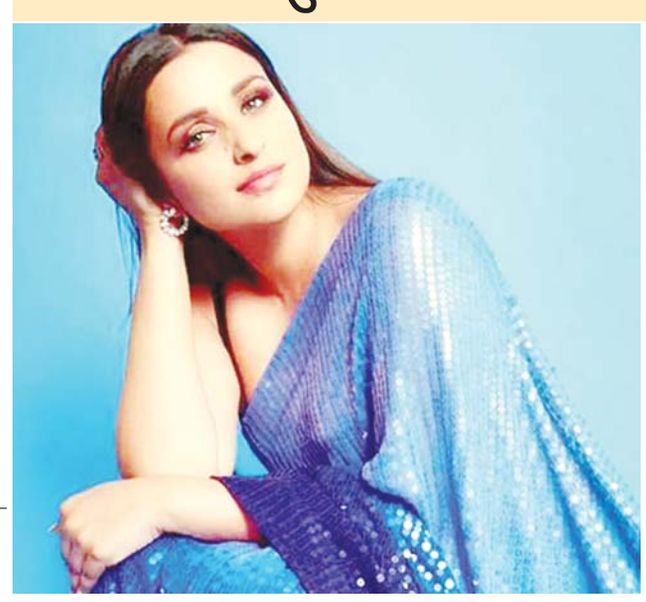

नई दिल्ली, ईएमएस। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा तुर्की में खराब मौसम और दस डिग्री से कम तापमान में फिल्म की शूटिंग के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ÷एक द्रश्य था जिसे एक नाव पर शूट किया गया था। शूटिंग के दौरान, यह लगभग -10 से -11 डिग्री था और पूरी यूनिट पूरी तरह से जैकेट, मफलर और मास्क से ढकी हुई थी, जबकि मुझे एक काली आधी-आस्तीन की टी-शर्ट दि गयी थी।÷ इश्कजादे की अभिनेत्री ने अपने सह-कलाकार हार्डी संधू के साथ अपनी ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग और दोस्ती के बारे में कहा, जब हार्डी लोकेशन पर आए, तो मैंने उनसे जैकेट और हीट पैड लाने का अनुरोध किया। हमारा बंधन और मजबूत हो गया क्योंकि हम दोनों ठड़ से जम रहे थे और इस तरह हम शूटिंग के दौरान इतने करीबी दोस्त बन गए। परिणीति, जो शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फंसी और अन्य फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, ने भी एक एक्शन फिल्म करने के बारे में खुल कर बात की और साथ ही यह भी कहा कि वह खुद को रोमांटिक शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती हैं।

करीम बेनजेमा और एलेक्सिया पुतेलास ने जीते Ballon d'Or अवॉर्ड

पेरिस, एजेंसी। रियल मैड्रिड के साथ पिछले सत्र में चैंपियन्स लीग और स्पेनिश लीग खिताब जीतने के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले स्टार फुटबॉलर करीम बेनजेमा ने पहली बार पुरुष वर्ग का Ballon d'Or खिताब जीता। स्पेन की एलेक्सिया पुतेलास ने बार्सीलोना की ओर से एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सोमवार को लगातार दूसरे साल महिलाओं की ट्रॉफी जीती। पिछला सत्र मैड्रिड की ओर से बेनजेमा का सर्वश्रेष्ठ रहा। वह चैंपियन्स लीग और स्पेनिश लीग दोनों में शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने मैड्रिड के लिए 44 गोल दागे, जिसमें से 15 गोल उन्होंने यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता चैंपियन्स लीग में किए। उन्होंने क्लब की ओर से सबसे अधिक गोल दागने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद राल गोंजालेज की बराबरी की। टीम की ओर से सबसे अधिक गोल दागने का रिकॉर्ड दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम दर्ज है। 34 साल के बेनजेमा पहली बार 1956 में दिए गए इस पुरस्कार को हासिल करने वाले स्टेनली मैथ्यूज के बाद सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। बेनजेमा ने कहा, च्ज्मेरे लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है। खिलाड़ी अब अधिक समय तक खेलते हैं और मेरे अंदर अब भी खेलने की इच्छा शक्ति है। इसी इच्छा शक्ति के कारण ही मैंने कभी हार नहीं मानी। बेनजेमा ने इस पुरस्कार की दौड़ में सादियो माने और मैनचेस्टर सिटी के केविन डि ब्रून को पछाड़ा। माने पिछले सत्र में लीवरपूल की ओर से खेले थे लेकिन इस सत्र के लिए बायर्न म्यूनिख के साथ जुड़े। पहली बार Ballon d'Or पुरस्कार पिछले सत्र की उपलब्धियों के आधार पर दिया गया। इससे पहले कैलेंडर वर्ष में प्रदर्शन के आधार पर यह पुरस्कार दिया जाता था। यह पुरस्कार फ्रांस की फुटबॉल मैग्जीन Ballon d'Or देती है। पुरुष वर्ग में यह पुरस्कार 66 वर्षों से दिया जा रहा है। महिलाओं की ट्रॉफी की शुरुआत 2018 में हुई लेकिन 2020 में महामारी के कारण इसे रद्द कर दिया गया। दूसरी तरफ एलेक्सिया ने पिछले सत्र में 42 गोल दागे जबकि 22 गोल करने में मदद की। वह दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं।

खुशियों का दीपोत्सव

शाम 4 बजकर 46 मिनिट के बाद स्थिर लग्न गौधूलि प्रदोष व्यापिनी अमावस्या का शुभ मुहुर्त

जबलपुर, यशभारत। दीपोत्सव महापर्व की अनंत महिमा है। पांच दिवसीय त्योहार में आम जन मानस को सपनों के पंख लगते है। तो वहीं माँ आद्यशक्ति महालक्ष्मी का घर में शुभागमन के साथ ही साथ धनतेरस, परमा, रुप चौदस का अत्यंत महत्व है। इस बार दीपावली का शुभ मुहूर्त शाम 4 बजकर 46 मिनिट के बाद स्थिर लग्न में है। इस मुहूर्त में पूजन करना शास्त्र सम्मत और विशेष फलदाई है। जिससे सभी की मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। अरुणोदय पंचांग के रचयिता और प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. लोकेश व्यास ने यशभारत जीवन ज्योतिष में चर्चा के दौरान यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला से महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की और दीपोत्सव पर्व पर विस्तार से चर्चा की।

यश भारत जीवन ज्योतिष

वीडियो देखें यश भारत न्यूज चैनल व यश भारत के सभी सोशल मीडिया प्लेट फार्म पर

यश भारत जीवन ज्योतिष में पं. लोकेश

यह है विशेष शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्यापिनी अमावस्या में महालक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत है। यह मुहूर्त सोमवार 24 अक्टूबर को शाम 4 बजकर 46 मिनिट के बाद रात्रि अंत तक लक्ष्मी कुबेर पूजन के लिए शुभ मुहूर्त है। विशेष शुभ मुहूर्त शाम 4 बजकर 46 मिनिट से रात्रि 8 बजकर 55 मिनिट तक गोधूली प्रदोषकाल और स्थिर लग्न का शुभ मुहूर्त रहेगा। वहीं, सामान्य शुभ मुहूर्त रात्रि 8 बजकर 55 मिनिट से रात्रि 1 बजकर 24 मिनिट तक रहेगा। 1 बजकर 24 मिनिट से रात्रि 3 बजकर 36 मिनिट तक स्थिर लग्न का विशेष शुभ मुहूर्त है।

1-धनतेरस- दीपावली के महापर्व की शुरूआत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन से हो जाती है। इस दिन धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। धनतेरस पर आरोग्य और चिकित्सा विज्ञान के देवता भगवान धनवंतरि के पूजन का विधान है। यदि संधि विच्छेद करें तो धन का 13 गुना बढ़ना ही धनत्रयोदशी है। सभी लोग जानते है कि इस दिन बर्तन खरीदने की परंपरा है। जिसका सबसे बड़ा कारण है कि भगवान विष्णु के अंशावतार श्री धनवंतरि अमृत कलश लेकर, समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुए थे। अमृत कलश को देखकर ही आम जन मानस में बर्तन खरीदने की परंपरा शुरु हुई। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरि आए। शुरुआती दौर में चांदी के बर्तन खरीदने का महत्व है। जो चांदी के बतज़न खरीदते है उन्हें पूरे साल चंद्रमा से शीतलता मिलती है। इसके साथ सामान्य बर्तन भी खरीदे जाते है।

2-नरक चौदस- नरक चौदस को छोटी दीपावली के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था, उसी के नाम से इस दिन को नरक चौदस कहा जाता है। इसे अनेक नामों से जानते है। जैसे पश्चिम बंगाल उड़ीसा में काली चौदस आदि। इस विशेष दिन यदि कोई श्रद्धा के साथ व्रत करता है तो उसे यमराज का भय नहीं रहता। जिससे जुड़ी कथा है कि रंति नामक के बहुत प्रतापी राजा हुए और जब उनको यमराज लेने आया तो उन्होंने अनुनय विनय किया और पूछा आखिर उन्होंने क्या पाप किया, जिसके कारण उन्हें नर्क में जाना पड़ेगा। यमराज ने प्रसन्न होकर एक वर्ष का समय दिया। जिसके बाद राजन ने ऋषियों से विमर्श किया। जिसके बाद उन्हें ज्ञात हुआ कि उनके द्वार से एक ब्राम्हण भूखा लौट गया था, जिस कारण उन्हें यह पाप लगा। जिसके बाद उन्होंने नरक चौदस का व्रत किया और भयमुक्त हुए।

यमराज को करते है दीपक दान

इस विशेष दिवस यदि घर का मुखिया यमराज को दीपक दान करे तो यमराज उनके घर में प्रवेश नहीं करता। जिसमें विधि स्वरुप, घर का मुखिया पूरे घर में दीपक घुमाकर एकांत में दीपक जलावे और उस दीपक को घर का कोई सदस्य ना देखे, तो विशेष फलदाई है।

3-दीपावली- दीपावली के पांच दिन के महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण पर्व कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी के पूजन का विधान है। इसके साथ ही इस दिन भगवान श्री राम के लंका विजय के बाद अयोध्या वापस लौटने के त्योहार के रूप में भी मनाया जाता है। जिसमें कथा है कि समुद्र मंथन के दौरान माता लक्ष्मी भी आठवें रत्न के रूप में शरद पूर्णिमा के दिन प्रगट हुई और भगवान विष्णु का वरण किया और दीपावली के दिन बैकुंठ में प्रवेश किया। जिस कारण दीपोत्सव पर्व में माता महालक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है।

4-गोवर्धन पूजा या अन्नकूट- दीपावली के अगले दिन प्रतिपदा पर गोवर्धन पूजा या अन्नकूट का त्योहार मनाने का विधान है। ये पर्व भगवान कृष्ण के द्वारा गोवर्धन पर्वत उठा कर मथुरावसियों की रक्षा करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। परमा का विशेष महत्व है। साथ ही परंपराओं के अनुसार इस दिन लोग अपने कुलदेवता की भी विशेष आराधना करते है। इस वर्ष सूर्य ग्रहण के कारण अन्नकूट अगले दिन मनाया जाएगा।

5- भाई दूज- भैय्या दूज या यम द्वितिया का पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन यमुना स्नान का विशेष महत्व होता है। जिसमें कथा है बहनों द्वारा भाइयों को तिलक करके उनकी लंबी आयु की कामना की जाती है।

मारपीट के बाद युवक को जान से मारने की धमकी

कटनी, यशभारत। बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम सकरीगढ़ में मामूली विवाद को लेकर मारपीट व जान से मारने की धमकी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने एक 19 वर्षीय युवक की शिकायत पर एक महिला सहित चार लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज किया है।

घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम सकरीगढ़ निवासी 19 वर्षीय हर्षवर्धन पिता रेवा विश्वकर्मा के साथ सुनील विश्वकर्मा, सौरभ विश्वकर्मा, श्याम सुंदर विश्वकर्मा व मंजूलता विश्वकर्मा ने एकराय होकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने हर्षवर्धन की शिकायत पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 294, 323, 506, 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि मामले में पीड़ित व आरोपी एक ही परिवार के लोग हैं। दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और इसके बाद एक पक्ष ने एक राय होकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पर्व पर पांच ट्रेनों में लगाए जाएंगे अतिरिक्त कोच

कटनी, यशभारत। रेल प्रशासन के द्धारा दीपावली त्योहार को देखते हुए अतिरिक्त यात्री यातायात एवं प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। गाड़ी संख्या 11651 जबलपुर-सिंगरौली इंटरसिटी एक्सप्रेस में 20 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक एक द्वितीय चेयरकार श्रेणी का कोच लगाया जाएगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11265 जबलपुर-अंबिकापुर इंटरसिटी में भी यह व्यवस्था रहेगी। वहीं गाड़ी संख्या 22190 रीवा-जबलपुर इंटरसिटी में एक द्वितीय चेयरकार श्रेणी का कोच लगाया जाएगा। इसके अलावा 22187 रानी कमलापति-आधारताल इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में रानी कमलापति से 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक द्वितीय चेयरकार श्रेणी का कोच लगाया जाएगा।

खरे कन्स्ट्रक्शन प्रा.लि. ISO प्रमाणित कम्पनी द्वारा निर्मित

गोल्डन सिटी की सफलता के बाद अब

गोल्ड सिटी

सुविधाये

बंद कैम्पस | गार्डन | पक्की रोड

कवर्ड नाली | स्ट्रीट लाईट

मुख्य स्टेशन से मात्र 1 कि.मी दूर

रबर फैक्ट्री रोड, पुष्पगिरी अपार्टमेंट के पास, कटनी (म.प्र.)

9301842256, 9131864080, 7974317391, 8319091600

श्रीराम जेम्स एंड ज्वेलर्स

आचार्य विनोवा भावे वार्ड, राहुल बाग के पास, बरही रोड, कटनी

Mob. 835990995, 8359990996

7 DAYS OPEN

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)